दैनिक
कारखाने का सफर

वर्ष 5, अंक 274 | भोपाल, शनिवार 12 अप्रैल, 2025 | चैत्र शुक्ल पक्ष, पूर्णिमा, 2082

अशोकनगर के आनंदपुर धाम पहुंचे पीएम मोदी, गुरु महाराज के सामने मत्था टेका

दैनिक कारखाने का सफर। अशोकनगर

देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को अशोकनगर के आनंदपुर धाम पहुंचे. चाक-चौबंद व्यवस्था के बीच उनका हेलीकॉप्टर आनंदपुर धाम हैलीपैड पर उतरा. यहां मुख्यमंत्री मोहन यादव ने उनका स्वागत किया. प्रधानमंत्री सबसे पहले आनंदपुर धाम स्थित मंदिर पहुंचे. यहां उन्होंने गुरुजी महाराज मंदिर में दर्शन-पूजन किया गुरु महाराज के सामने मत्था टेका. इसके बाद वह आनंद सरोवर पहुंचे और वहां प्रार्थना कर पुष्प अर्पित किए. फिर मोती हाल में आयोजित कार्यक्रम में शामिल हुए और लोगों को संबोधित किया. अपने कार्यक्रम के दौरान वह संतों से मिलने के अलावा श्रद्धालुओं को भी संबोधित करेंगे. ईसागढ़ तहसील अंतर्गत स्थित आनंदपुर धाम में 12 अप्रैल से बैसाखी मेले का आयोजन होने जा रहा है. मेले में देश-विदेश से श्रद्धालु आनंदपुर धाम पहुंचेंगे.

आनंदपुर एक अहम धार्मिक व सामाजिक धाम है. यहां अद्वैत मठ का मुख्य आश्रम है. यहां अब तक 6 पादशाही हो चुके हैं. प्रथम पादशाही श्री स्वामी अद्वैत आनंद जी महाराज 1919 तक रहे. द्वितीय पादशाही श्री परमहंस स्वरूप आनंद जी महाराज 1936 तक रहे. उन्हीं के समय श्री आनंदपुर धाम की स्थापना हुई. तृतीय पादशाही श्री वैराग्य आनंद जी महाराज 1964 तक रहे. चतुर्थ पादशाही श्री स्वामी बेअंत आनंद जी महाराज ने श्री परमहंस अद्वैत मंदिर का उद्घाटन किया. पंचम पादशाही श्री स्वामी दर्शन पूर्ण आनंद जी महाराज 2017 तक रहे. वर्तमान में षष्टम पादशाही श्री स्वामी विचार पूर्ण आनंद जी महाराज हैं. इनका जन्म और शिक्षा आनंदपुर धाम क्षेत्र में ही हुई.

काशी में पीएम मोदी बोले- यहां के प्रेम का कर्जदार हूं

उधर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उत्तर प्रदेश सरकार के आठ साल पूरे होने के बाद पहली बार शुक्रवार सुबह काशी पहुंचे। बाबतपुर एयरपोर्ट से हेलिकॉप्टर से मेंहदीगंज स्थित जनसभा स्थल पहुंचे। यहां 39 करोड़ की परियोजनाओं की सौगात दी। साथ ही तीन बुजुर्गों को आयुष्मान कार्ड प्रदान किए। पीएम ने कहा साथियों आज मैं एक बात और भी कहना चाहूंगा। महात्मा फुले जी जैसे त्यागी तपस्वी महापुरुषों के प्रेरणा से ही देश सेवा का हमारा मंत्र रहा है। सबका साथ सबका विकास हम देश के लिए उसे विचार को लेकर के चलते हैं। जिसका समर्पित भाव है सबका साथ सबका विकास। जो लोग सत्ता पाने के लिए दिन रात खेल- खेलते रहते हैं उनके सिद्धांत हैं परिवार का साथ परिवार का विकास। आज मैं सबका साथ सबका विकास के संकल्प को साकार करने की दिशा में पूर्वांचल के पशुपालक परिवारों को विशेष रूप से आगे बढ़ा रहे हैं। हमारी मेहनतकश बहनों को विशेष बधाई देता हूं। इन बहनों ने बता दिया है, अगर भरोसा किया जाए तो वह भरोसा नया इतिहास रच देता है।

मैनेजमेंट मंत्र / हर शनिवार

पारस : अच्छाई को करें साझा

दैनिक कारखाने का सफर
12 अप्रैल 2025

-विजय जोशी
पूर्व ग्रुप महाप्रबंधक, भेल

» ईश्वर ने इंसान को असीमित क्षमता एवं प्रतिभा के साथ पैदा किया इस आशा के साथ कि वह उसके प्रयोजन को आगे बढ़ाएगा तथा इस तरह धरती पर खुद के आगमन को सार्थक करेगा। याद रखिये हर एक इंसान अपने आप में यूनिक होता है और यह भी कतई जरूरी नही कि वैभव केवल वैभवशाली लोगों के पास हो साझा करने के लिये। कई बार गरीब के मन की फकीरी अमीर की अमीरी पर भारी पड़ जाती है।

» एक बार वन में एक टुकड़ा लोहा, सोना और पारस साथ साथ भूमि पर एकाकी पड़े थे. थोडी देर बार लोहे को साथ की आवश्यकता महसूस हुई। उसने अपने पास पत्थरनुमा श्रीहीन पारस और अपनी आभा से चमकते हुए सोने की ओर देखा। उसे लगा की पारस की तुलना में वैभव संपन्न सोने की संगति में उसका व्यक्तित्व अधिक निखरेगा, सो वह सोने के समीप चला गया। समय गुजरता रहा वह लोहा लोहा ही बना रहा।

» एक दिन एकाकी पारस ने लोहे से कहा - भाई वहां तो बहुत दिन रह लिये कुछ पल मेरे साथ भी बिताओ। लोहा अनमना होकर पारस के पास चला गया।

» तभी एक चमत्कार हुआ। पारस को छूते ही लोहा सोने में परिवर्तित हो गया। लोहे ने गदगद स्वर में पारस से कहा : मित्र आप तो विचित्र हैं। खुद पत्थर रहते हुए भी दूसरों को वैभव प्रदान करते हैं।

» पारस ने कहा : दूसरों को वैभव प्रदान करना ही वैभवशालियों की एक मात्र पहचान है और उसके लिये जरूरी है चरित्र चेहरा नहीं। सफलता के मार्ग में दरकार होती है सीरत की सूरत की नहीं।

» बात का संदर्भ सिर्फ इतना है कि आप जैसे भी हों, जिस रूप में भी हों, अपना सर्वश्रेष्ठ दूसरों को प्रदान करने का यत्न करें और वह भी अभिमान से रहित होकर। इसके लिये किसी पद, प्रतिष्ठा या पैसे की आवश्यकता भी नहीं। चाहिये तो केवल उदार मन और दूसरों को अपनी अच्छाई देनेवाला दिल. और देते समय अपनी अल्पज्ञता का एहसास बना रहे। यही बात आपकी शख्सियत को संवारेगी तथा जीवन में मार्ग का मार्ग प्रशस्त भी करेगी।

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ में जारी अभियान में दो आतंकवादी मारे गए

दैनिक कारखाने का सफर। एजेंसी श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के किश्तवाड़ जिले में चल रहे 'ऑपरेशन छत्रू' के दौरान सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में दो और आतंकवादी मारे गए। सेना की व्हाइट नाइट कोर ने शनिवार को एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि एक एके और एक एम4 राइफल सहित बड़ी मात्रा में "युद्ध जैसे सामान" भी बरामद किए गए। जम्मू-कश्मीर में किश्तवाड़ जिले के बर्फ से ढके इलाके में जारी अभियान में दो आतंकवादी मारे गए जबकि एक आतंकी को शुक्रवार को ढेर किया गया था। सेना ने शनिवार को यह जानकारी दी। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि शनिवार को मारे गए आतंकवादी पाकिस्तान के आतंकवादी संगठन जैश-ए-मोहम्मद से जुड़े थे और इसमें एक शीर्ष कमांडर सैफुल्ला भी शामिल है, जो पिछले एक साल से चेनाब घाटी क्षेत्र में सक्रिय था। सेना की जम्मू स्थित व्हाइट नाइट कोर ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, ''खराब और प्रतिकूल मौसम के बावजूद किश्तवाड़ के छतरू में जारी अभियान में दो और पाकिस्तानी आतंकवादियों को मार गिराया गया है। एक एके और एक एम4 राइफल सहित बड़ी मात्रा में युद्ध जैसी सामग्री बरामद की गई है। एक संक्षिप्त मुठभेड़ के बाद बुधवार को शुरू हुए अभियान में सुरक्षा बलों ने शुक्रवार सुबह एक आतंकवादी को ढेर कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि अभियान अब भी जारी है। उन्होंने बताया कि उधमपुर जिले के बसंतगढ़ और रामनगर इलाकों में तीन अन्य आतंकवादियों के एक समूह को पकड़ने के लिए बुधवार से एक अन्य अभियान भी जारी है। एक अलग घटनाक्रम में, उधमपुर जिले में तीन आतंकवादियों के एक समूह को पकड़ने के लिए अभियान चल रहा है। सुरक्षा एजेंसियों ने जम्मू क्षेत्र के पहाड़ी जिलों में विभिन्न स्थानों के बीच घूमने वाले आतंकवादियों पर नज़र रखने के लिए डोडा जिले के भद्रवाह क्षेत्र में निगरानी का दायरा बढ़ा दिया है। किश्तवाड़-डोडा-रामबन रेंज के उप महानिरीक्षक (डीआईजी) श्रीधर पाटिल ने कहा कि पिछले तीन दिनों से क्षेत्र में अभियान चल रहा है। बुधवार को छत्रू के नायदगाम इलाके में आतंकवादियों के साथ थोड़ी गोलीबारी हुई, जिसके बाद बड़े पैमाने पर तलाशी अभियान शुरू किया गया। मारे गए आतंकवादी के बारे में बताया जाता है कि वह पाकिस्तान के सैफुल्लाह मॉड्यूल का हिस्सा था।

केकेआर ने चेन्नई सुपर किंग्स को 8 विकेट से हराया

दैनिक कारखाने का सफर। एजेंसी नई दिल्ली। शुक्रवार को चेपॉक स्टेडियम में खेले गए आईपीएल 2025 मुकाबले में कोलकाता नाइट राइडर्स ने चेन्नई सुपर किंग्स को 8 विकेट से हरा दिया। टॉस गंवाकर चेन्नई सुपर किंग्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 20 ओवर में 9 विकेट खोकर महज 103 रन ही बनाए। जिसके जवाब में केकेआर ने महज 10.1 ओवर में दो विकेट के नुकसान पर मैच अपने नाम कर लिया। कोलकाता के लिए सुनील नरेन ने 44 रन बनाए। कोलकाता की ये तीसरी जीत है जबकि सीएसके ने लगातार पांच मुकाबले गंवा दिए हैं। वहीं 104 रन के लक्ष्य का पीछा करने उतरी केकेआर की शुरुआत बेहतरीन रही। टीम को क्विंटन डी कॉक और सुनील नरेन ने मजबूती दी। इस दौरान क्विंटन डिकॉक ने 23 रन बनाए जबकि सुनील नरेन ने 18 गेंद में 44 रन की पारी खेली। वहीं केकेआर का पहला विकेट 5वें ओवर में डिकॉक के रूप में गिरा। इसके बाद कप्तान अजिंक्य रहाणे 17 गेंद में 20 रन बनाकर नाबाद रहे। रिंकू सिंह ने 12 गेंद में 15 रन बनाए। चेन्नई के लिए पहले बल्लेबाज और फिर गेंदबाज काम नहीं आए। इस दौरान सीएसके के लिए अंशुल और नूर ने 1-1 विकेट लिया।

इससे पहले बल्लेबाजी करते हुए चेन्नई सुपर किंग्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही। 16 रन के स्कोर पर सीएसके को डेवोन कॉन्वे के रूप में पहला झटका लगा।

145%... चीन झुकेगा नहीं, ट्रंप रुकेंगे नहीं, दोनों देशों में हुआ घमासान तो भारत को होगा बड़ा नुकसान!

दैनिक कारखाने का सफर। एजेंसी नई दिल्ली

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप चीन को किसी तरह से भी दबाने के लिए पूरी तरह जुट चुके हैं। इसके लिए वो लगातार टैरिफ को और कड़ा और बढ़ा रहे हैं। चीन में इसे लेकर बैठकें हो रही हैं। इकोनॉमिक एडवाइजर अपने स्तर पर चीनी प्रशासन को नसीहत दे रही है। लेकिन इधर ट्रंप की आफत कहर बनकर चीन पर टूटने के लिए अभी भी तैयार है। खबर कल तक 125 % टैरिफ की थी। लेकिन अब खबर ये आ रही है कि अमेरिका ने चीन पर 145 % टैरिफ लगाया है। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका में चीन से इंपोर्ट किए जाने वाले सामान पर टैरिफ बढ़ाकर अब 145 %कर दिया है। इस 145 % वाले टैरिफ में फेंटानिल सप्लाई को लेकर चीन पर लगाया गया अतिरिक्त 20 फीसदी भी शामिल है। कल तक इसका जिक्र सामने नहीं आया था। लेकिन अब चीन पर अतिरिक्त 20 % टैरिफ फेंटानिल को लेकर लगाया जाना है।

चीन ने अमेरिका से आयातित वस्तुओं पर अतिरिक्त शुल्क को बढ़ाकर 125 प्रतिशत कर दिया। अमेरिका के चीन से निर्यात पर 145 प्रतिशत शुल्क लगाने के बाद उसने यह कदम उठाया है। चीन के वाणिज्य मंत्रालय ने कहा, चीन ने आयातित अमेरिकी उत्पादों पर अतिरिक्त शुल्क बढ़ाकर 125 प्रतिशत कर दिया है, जो पहले 84 प्रतिशत था। वाणिज्य मंत्रालय ने कहा कि अमेरिकी शुल्क बढ़ोतरी के बाद चीन ने विश्व व्यापार संगठन में मुकदमा भी दायर किया है। नवीनतम अमेरिकी अधिसूचना के अनुसार, चीन पर कुल 145 प्रतिशत शुल्क लगा है। चीन ने पहले 84 प्रतिशत शुल्क लगाकर जवाबी कार्रवाई की थी और कुछ अमेरिकी कंपनियों के आयात पर प्रतिबंध लगाए दिया था। साथ ही इस मुद्दे को सुलझाने के लिए अमेरिका के साथ बातचीत करने में रुचि भी व्यक्त की थी। चीन एकमात्र ऐसा देश है जिसने अमेरिका के शुल्क के खिलाफ जवाबी कार्रवाई की है। जानकारों का कहना है कि अगर अमेरिका और चीन की इकॉनमी मंदी में फंसी तो इसका भारत पर बहुत बुरा असर पड़ेगा। चीन भारत का सबसे बड़ा ट्रेडिंग पार्टनर है जबकि अमेरिका दूसरे नंबर पर है। अगर अमेरिका और चीन में बड़ी मंदी आती है, तो पूरी दुनिया पर इसका असर होगा। वहीं दूसरी तरफ चीन भले ही नकारात्मक जीडीपी विकास की रिपोर्ट न करे लेकिन टैरिफ से वह एक बड़ी मंदी का अनुभव करेगा। भारत पर भी इसका बहुत बुरा असर पड़ेगा। भारत को कपड़ा या निम्न-स्तरीय विनिर्माण जैसे क्षेत्रों में कुछ फायदा मिल सकता है लेकिन यह वैश्विक मंदी के व्यापक प्रभाव को ऑफसेट करने के लिए पर्याप्त नहीं होगा।

दैनिक कारखाने का सफर अखबार का संपादकीय कार्यालय
गोबिंद टॉवर, क्वालिटी रेस्टोरेंट के पास, एसबी स्टूडियों के ऊपर पिपलानी पेट्रोल पंप के पास, सोनागिरी चौराहा रायसेन रोड भेल भोपाल। मोबाइल नंबर: 9826035849, 9425006706

होली मिलन एवं युवक युवती परिचय सम्मेलन 12 अप्रैल 2025

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

कार्यक्रम के संयोजक संजय मिश्रा पिंटू भैया ने बताया कि यह आयोजन पूर्वांचल ब्राह्मण समाज भोपाल के तत्वाधान मेंआज 12 अप्रैल 2025 समय संध्या 6:00 से स्थान सर्व धर्म मंदिर न्यू मिनाल रेजीडेंसी भोपाल मे होगा कार्यक्रम के आयोजन की व्यवस्थाओ को लेकर समिति की बैठक आज न्यू मिनाल रेजीडेंसी स्थित मंदिर मे सम्पन्न हुई, यह कार्यक्रम का प्रथम वर्ष है इसमें मुख्य रूप से जो पूर्वांचल के ब्राह्मण समाज के युवा युवती हैं उनका परिचय सम्मेलन एवं उनकका पंजीयन बायोडाटा इकट्ठा किया जाएगा एवं वही कुंडली का मिलान कर रिश्ते कराने का प्रयास किया जायेगा इस मे लगभग 400 परिवार शामिल होने वाले है

इस अवसर पर सुप्रसिद्ध लोकगीत गायक कलाकार राजेश पिंटू दुबे एंड पार्टी बलिया यूपी से होली एवं चैता गीतों की प्रस्तुति देंगे। युक्त कार्यक्रम में मुख्य रूप से शामिल होंगे आलोक शर्मा सांसद लोकसभा भोपाल। रामेश्वर शर्मा विधायक हुजूर , रीति पाठक विधायक शासन संजय पाठक पूर्व मंत्री, संजय पांडेय क्रिकेटर पण्डित गिरीश शर्मा जी पण्डित निलम्प त्रिपाठी जी सहित समाज के गणमान्य लोग कार्यक्रम में शामिल होंगे। आज आयोजित बैठक मे इसमें विशेष रूप से संजय मिश्रा पिंटू भैया श्री राम तिवारी अजय कुमार दुबे सुनील चौबे शंभू चौबे अश्वनी चौबे अंकित मिश्रा रीता मिश्रा अजय पांडेय शिव दुबे उमेश तिवारी अशोक मिश्रा बसंत पांडेय विनोद पाण्डेय लक्ष्मण कुमार चौबे घनश्याम पांडेय आशीष तिवारी रोहित मिश्रा कुबेर चौबे दर्दर मुनि चौबे मुकेश शुक्ला सतीश पाण्डेय जनार्दन दुबे, एन डी, तिवारी आदित्य तिवारी राम शर्मा संजय उपाध्याय, विजय उपाध्याय सहित समाज के सम्मानित प्रमुख लोग उपस्थित रहे।समाज की बैठक मे आह्वान किया गया की पूर्वांचल के सभी परिवार इस आयोजन मे सपरिवार सम्मिलित हो।

मंत्री गौतम टेटवाल ने लिया बागेश्वर धाम सरकार से लिया आशीर्वाद, धर्म रक्षा व राष्ट्र उत्थान का लिया संकल्प

दैनिक कारखाने का सफर। सारंगपुर

सारंगपुर मध्यप्रदेश शासन के कौशल विकास एवं रोजगार मंत्री श्री गौतम टेटवाल ने मुंबई की धरती पर आयोजित भव्य धर्म-जागरण महायज्ञ में श्री बागेश्वर धाम सरकार, परम पूज्य धीरेन्द्र कृष्ण शास्त्री जी से भेंट कर सनातन धर्म की रक्षा, संरक्षण और उत्थान का संकल्प लिया। इस मौके पर मंत्री टेटवाल ने श्री शास्त्री जी का आशीर्वाद प्राप्त करते हुए सनातन संस्कृति, धर्म-संस्कार और राष्ट्र निर्माण की दिशा में निरंतर कार्य करने का आह्वान किया।
मुंबई की भूमि बनी धर्म-जागरण की साक्षीः धर्म जागरण महायज्ञ में मुंबई की धरती सनातन संस्कृति की चेतना से गूंज उठी। श्रीमद्भगवद्गीता के श्लोकों की गूंज और धर्म की पुनर्स्थापना की प्रतिज्ञा ने वातावरण को दिव्यता से भर दिया। धर्म-संस्कार, हिंदू स्वराज और राष्ट्र निर्माण ही जीवन का लक्ष्य — मंत्री टेटवाल
मंत्री गौतम टेटवाल ने कहा — जब-जब धर्म की हानि होती है, तब-तब भगवान अवतार लेते हैं। आज धीरेन्द्र शास्त्री जी जैसे संत समाज को दिशा दिखा रहे हैं। उन्होंने मुंबई में धर्म-जागरण के प्रयासों की सराहना करते हुए श्रद्धेय दीपक तिवारी एवं रुद्र भाई साहब का विशेष धन्यवाद ज्ञापित किया।
छत्रपति शिवाजी महाराज को किया स्मरण
मंत्री टेटवाल ने कहा —
आज आवश्यकता है कि हम सभी शिवाजी महाराज की तरह धर्म और संस्कृति की रक्षा के लिए संगठित हों। यही समय की मांग है।
बाबा महाकाल की सेवा मेरे जीवन का सौभाग्य — टेटवाल
उन्होंने बताया कि — "मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी ने मुझे बाबा महाकाल की सेवा का जो अवसर प्रदान किया है, वह मेरे जीवन का गौरव है। मैं देशवासियों से उज्जैन आकर भस्म आरती का दिव्य अनुभव लेने का आमंत्रण देता हूं।"
धर्म रक्षा ही परम धर्म — मंत्री टेटवाल
मंत्री टेटवाल ने विश्वास व्यक्त किया कि — "यह तो बस शुरुआत है... मथुरा, काशी और अयोध्या की परंपरा फिर से जागेगी। सनातन संस्कृति की चेतना पूरे भारत में फैलेगी। जय श्री बागेश्वर धाम सरकार, जय बाबा महाकाल, जय भारत माता।

भगवान महावीर जयंती के पावन पर अखिल भारतीय साहित्य परिषद तहसील सारंगपुर द्वारा काव्य गोष्ठी आयोजित

दैनिक कारखाने का सफर। सारंगपुर

भगवान महावीर जयंती के पावन पर अखिल भारतीय साहित्य परिषद तहसील सारंगपुर द्वारा एक काव्य गोष्ठी का आयोजन किया गया। साथ ही सरस्वती शिशु विद्या मंदिर के प्राचार्य जितेन्द्र पाठक जी का स्थानातंरण चंदेरी हो जाने से उनका विदाई समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में सरस्वती शिशु विद्या मंदिर के विभाग समन्वयक राजगढ़ श्री गुरुचरण गौड़ सार्वजनिक हिंदू उत्सव समिति के नवनियुक्त अध्यक्ष ध्रुव भल्ला सरस्वती शिशु विद्या मंदिर के प्राचार्य जितेंद्र पाठक जी एवं विशेष अतिथि संजय जैन वरिष्ठ कवि प्रेमशंकर पांडेय जी रहे । कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि द्वारा भगवान महावीर के चित्र पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलित कर किया गया । अखिल भारतीय साहित्य परिषद के अध्यक्ष सुशील व्यास जी ने अतिथि परिचय करवाया सरस्वती वंदना का गायन कर स्थानांतरित हो रहे प्राचार्य का अभिनंदन पत्र द्वारा एवं विभाग समन्वयक गुरुचरण गौड़ को शाल श्रीफल भेंट कर स्वागत किया। कवि राकेश पांडेय द्वारा हिंदू उत्सव समिति के अध्यक्ष का साफा बांधकर सम्मान किया ।इस उपलक्ष्य में नगर

के वरिष्ठ कवि गण उपस्थित रहे तथा अपने काव्य पाठ से श्रोतागण को मंत्रमुग्ध कर दिया । कार्यक्रम का संचालन साहित्य परिषद के महामंत्री विपुल सक्सेना ने किया । देर रात तक चले कार्यक्रम में नगर के वयोवृद्ध कवि मुरलीधर सोनी पथिक जी कवि श्री सत्यनारायण शर्मा काकाजी पर्यावरण विद नंदकिशोर सोनी लक्ष्मीनारायण त्रिकार हास्य कवि जय हिन्द दुबे आशु कवि राकेश पांडे युवा कवि ब्रजमोहन नरौलिया कवि स्वदीप सोलंकी सुशील व्यास सारंग द्वारा काव्य पाठ किया गया ।

वेदों में रचा बसा है जीवन प्रबंधन का विज्ञान -डॉ. आरती दुबे

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

वेदों में लाइफ मैनेजमेंट साइंस विषय पर एल एन सी टी यूनिवर्सिटी के रायसेन रोड भोपाल कैम्पस में एम.बी.ए.के छात्र -छात्राओं को वेदों में रुचि लेने का सोद्देश्य आग्रह करते हुए दर्शन शास्त्र की व्याख्याता डॉ आरती दुबे ने बताया कि वैदिक साहित्य मानव जाति के लिए बहुमूल्य धरोहर ही नहीं अपितु जीवन प्रबंधन विज्ञान का एक अभिनव अविष्कार है। जिसे मनुष्य मात्र क़े मन, मस्तिष्क और आत्मा के परिष्करण के लिए आहूत किया गया। इस अवसर पर यूनिवर्सिटी के डायरेक्टर डॉ. अरविंद सिंह ने संस्था की ओर से मुख्य वक्ता डॉ आरती दुबे को स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए इस अवसर पर कहा कि -'वेदों में क्षमा और सद्भावना जीवन प्रबंधन के गहरे सूत्र हैं ।
प्रबंधन जैसे विषय को वेदों में खोजने के सूत्र देते हुए इस अवसर डॉ आरती ने कहा कि वेद भारत की सांस्कृतिक धरोहर है। स्वयं की खोज में आत्मा के परिष्करण को सोचना एवं उसकी क्रियात्मक अवधारणा को अनुभव सिद्ध पद्धति के रूप में मानव जाति के सामने रखना एक बहुत बड़ा अविष्कार है। यह प्रगल्भ एवं परिपक्व मस्तिष्क द्वारा ही संभव है। यह संकेत ही बताता है कि हमारे ऋषि-मुनि कितने गहन गंभीर चिंतन परक, आविष्कारक थे। संसार को आत्मा की अवधारणा का प्रथम परिचय कराने वाला भारतीय दर्शन आत्मा की खोज पर रुका नहीं वरन उसके परिष्करण की प्रक्रिया का अविष्कार करने के पश्चात ही उसने अपनी चिंतन यात्रा से विराम लिया। इसी लिए आज भी भारत विश्व का गुरु है । शून्य की निर्विचार अनुभूति का अनुभव करते हुए छात्र उत्साहित थे। प्रश्नोत्तर सत्र में उन्होने अपने अनुभव साझा किए। इस अवसर अनेक विद्यार्थी व शिक्षक उपस्थित थे |

हेम्टू इंटक यूनियन के अध्यक्ष राजेश शुक्ला के नेतृत्व में कस्तूरबा गांधी जयंती मनाई

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

हेम्टू इंटक यूनियन के अध्यक्ष राजेश शुक्ला के नेतृत्व में स्वतंत्रता संग्राम सेनानी, प्रेम, धैर्य, त्याग, समर्पण, देशभक्ति की पर्याय जन-जन की 'बा' कस्तूरबा गांधी जी की जयंती पर हेम्टू इंटक परिवार ने माल्यार्पण कर उन्हें

याद किया ।* श्रीमती गाँधी जी का महिला सशक्तिकरण को लेकर आपका जीवन दर्शन और सार्थक संघर्ष, युगों-युगों तक मानवता को दिशा दिखाता रहेगा । इस अवसर पर श्री शुक्ला जी ने कहा कि श्रीमती कस्तूरबा गाँधी जी का स्वन्त्रता में जो योगदान रहा है उसे कभी भुलाया नही जा सकता है । इस अवसर पर ऐसी महान हस्ती को हेम्टू इंटक परिवार का सादर नमन है।.... इस माल्यार्पण कार्यक्रम में हेम्टू इंटक के अध्यक्ष राजेश शुक्ला सहित महामंत्री अजीत गोंड़,मीडिया प्रभारी सी आर नामदेव, फजल खान , प्रदीप मालवीय, नीरज विश्वकर्मा, संतोष दास, सतेंद्र शर्मा, ललित रायचंदानी , जितेन्द्र मालवीय उपस्थित रहे।

महात्मा ज्योतिबा फुले की 198 वीं जयंती पर नगर मे निकला विशाल चल समारोह

दैनिक कारखाने का सफर। सारंगपुर

महात्मा फुले समता परिषद एवं फुलमाली समाज सारंगपुर क्षेत्र द्वारा शुक्रवार को महान समाजसेवी दलित एवं पिछड़ो के मसीहा महात्मा ज्योतिबा फुले की 198 वीं जन्म जयंती महात्मा फुले चौराहा बस स्टेण्ड के पास मनाई गई कार्यक्रम संयोजक जगदीश पुष्पद अध्यक्ष राधेश्याम बागवान महात्मा फुले समता परिषद जिला अध्यक्ष मनोज पुष्पद ने सभी अतिथियों का साफा बांधकर एवं दुपट्टा पहना कर स्वागत सम्मान किया गया। महात्मा फुले की झांकी सजाकर डीजे व ढोल के साथ महात्मा भूले चौराहे से चल समारोह प्रारंभ होकर बस स्टैंड महाराणा प्रताप चौराहा नजीबाबाद स्कूल दीनदयाल उपाध्याय चौराहा बदलीपुरा हनुमान मंदिर बागकुआ टंकी रोड सिविल अस्पताल रोड परशुराम चोर कहा एबी रोड होते हुए वापस महात्मा फुले प्रतिमा स्थल पर पहुंचा जहां कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा मंडल अध्यक्ष महेश पुष्पद नगर पालिका अध्यक्ष पंकज पालीवाल उपाध्यक्ष प्रतिनिधि निलेश वर्मा सकल पंच फूल मली समाज अध्यक्ष शिवनारायण पुष्पद महादेव मित्र मंडल अध्यक्ष

ओम पुष्पद अजाक्स ब्लॉक अध्यक्ष कैलाश मालवीय सहित अन्य अतिथियों ने महात्मा ज्योतिबा फुले के कार्यो का उल्लेख करते हुए कहा कि महात्मा फुले महान विचारक, लेखक और क्रांतिकारी थे उन्होंने सत्यशोधक समाज की स्थापना कर जातिगत भेदभाव और सामाजिक अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाई। शोषितों, वंचितों और कमजोर वर्गों के अधिकारों की रक्षा के लिए उन्होंने अपना पूरा जीवन समर्पित किया। साथ ही नारी शिक्षा को बढ़ावा दिया उनके विचार और आदर्श हमें एक न्यायपूर्ण और समतामूलक समाज की दिशा में आगे बढ़ने का मार्गदर्शन देते रहेंगे। कार्यक्रम का संचालन फूल माली महापंचायत प्रदेश महामंत्री ओम पुष्पद ने किया तथा आभार खुशीलाल पुष्पद ने माना। इस दौरान कार्यक्रम संयोजक जगदीश पुष्पद अध्यक्ष राधेश्याम बागवान महात्मा फुले समता परिषद जिला अध्यक्ष मनोज पुष्पद मोहल्ला किडी पंचायत अध्यक्ष प्रेमनारायण पुष्पद बागकुआ टंकी पंचायत अध्यक्ष केलाश वर्मा तारागंज पंचायत अध्यक्ष रामचंद्र पुष्पद (चंदू) नवयुवक फूल माली समाज अध्यक्ष अमित पुष्पद सुहानी पूर्व समाज अध्यक्ष रामचरण पुष्पद पार्षद राकेश पुष्पद पुर्व नगर पालिका अध्यक्ष भैरुलाल पुष्पद वरिष्ठ भाजपा नेता निर्मल जैन, मंडल उपाध्यक्ष राजेन्द्र सर्वावत, महामंत्री कमल राठौर पार्षद कुलदीप राठौर,सुनिल बागवान दुर्गा प्रसाद पुष्पद मांगीलाल टेलर राजेश झंकार मांगीलाल पुष्पद मनोज पुष्पद दिपक पुष्पद, घासीराम मालवीय अर्जुन प्रसाद मांडले सहित बड़ी संख्या में समाज जन उपस्थित थे।

LNCT में वेदों में जीवन प्रबंधन पर डॉ. आरती दुबे का वक्तव्य बहुत ही प्रभावी रहा

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

वेदों में लाइफ मैनेजमेंट साइंस विषय पर एल एन सी टी यूनिवर्सिटी के रायसेन रोड भोपाल कैम्पस में एम बी ए के छात्र छात्राओं को वेदों में रुचि लेने का सोद्देश्य

आग्रह करते हुए दर्शन शास्त्र की व्याख्याता डॉ आरती दुबे ने बताया कि वैदिक साहित्य मानव जाति के लिए बहुमूल्य धरोहर ही नहीं जीवन प्रबंधन विज्ञान का एक अभिनव अविष्कार है। जिसे मनुष्य मात्र क़े मन, मस्तिष्क और आत्मा के परिष्करण के लिए आहूत किया गया। इस अवसर पर यूनिवर्सिटी के डायरेक्टर एम बी ए डॉ. अरविंद सिंह ने संस्था की ओर से स्मृति चिन्ह भेंट करते हुए कहा कि वेदों में क्षमा और सद्भावना जीवन प्रबंधन के गहरे सूत्र हैं । प्रबंधन जैसे विषय को वेदों में खोजने के सूत्र देते हुए डॉ आरती ने कहा कि वेद भारत की सांस्कृतिक धरोहर है।

दादाजी धाम मंदिर में भगवान हाटकेश्वर जी का जन्मोत्सव शुक्रवार बड़ी धूमधाम से मनाया गया

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

दादाजी धाम मंदिर में भगवान हाटकेश्वर जी का जन्मोत्सव शुक्रवार बड़ी धूमधाम से मनाया गया। एवं हनुमान जन्मोत्सव आज शनिवार को मनाया जायेगा।
दादाजी धाम मंदिर रायसेन रोड पटेल नगर भोपाल शुक्रवार को प्रातः 9:30 बजे से भगवान हाटकेश्वर जी का अभिषेक, पूजन,आरती भजन कीर्तन दशोरा नागर समाज महिला, पुरुष भक्तों द्वारा किये गए । उसके पश्चात प्रसाद वितरण किया गया। एवं शनिवार को सूर्योदय के समय रामसेवक महावीर हनुमान जी का जन्मोत्सव पर मंदिर में विराजमान बाल स्वरूप हनुमान जी का विशेष

श्रृंगार अभिषेक, पूजन, हवन, आरती एवं 11 बार हनुमान चालीसा पाठ किया जाएगा। इसके बाद प्रसाद वितरण किया जाएगा। एवं श्री श्री 1008 श्री दादाजी गुरुदेव चैरिटेबल ट्रस्ट के अध्यक्ष एवं सदस्यों ने बताया है कि इस अवसर पर सांय 5:00 बजे से सुंदरकांड, हनुमान चालीसा एवं भजन कीर्तन ट्रस्ट के ट्रस्टी, मंदिर व्यवस्था समिति के सदस्य एवं कॉलेज के छात्रों द्वारा किया जाएगा बाद में महाप्रसादी वितरण किया जाएगा कार्यक्रम में बड़ी संख्या में वर्धमान कॉलोनी, पटेल नगर, सिद्धार्थ लेक सिटी एवं आसपास के क्षेत्र से श्रद्धालु शामिल होंगे एवं पुण्य लाभ प्राप्त करेंगे। इस अवसर पर प्रातः 4:00 बजे से रात्रि 10:00 बजे तक मंदिर के पट भक्तों के लिए खुले रहेंगे।आप सभी भक्त गण उपस्थित होकर पुण्य लाभ प्राप्त करें।

पिछड़ा वर्ग एंप्लाईज वेलफेयर एसोसियेशन भेल भोपाल द्वारा महात्मा ज्योतिबा फुले जी की जयंती पर ड्राइंग प्रतियोगिता का आयोजन किया गया

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

वेलफेयर एसोसियेशन के द्वारा महात्मा ज्योतिबा फुले जी की जयंती के उपलक्ष में वेलफेयर एसोसिएशन के कार्यालय में शाम 5:00 बजे से 6:00 बजे तक कक्षा एक से आठ वीं तक के बच्चों का ड्राइंग प्रतियोगिता आयोजित की गई । जिसमें सभी बच्चों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया एवं कार्यक्रम को सफल बनाया बच्चों ने इतनी सुंदर ड्राइंग बनाई कि जजमेंट लेने में तीनों जजों को काफी मशक्कत करनी पड़ी । वेलफेयर एसोसियेशन ने प्रथम द्वितीय एवं तीसरे स्थान के अलावा कार्यक्रम में भाग ले रहे सभी प्रतिभागियों को सांत्वना स्वरूप पुरस्कार मुख्य अतिथियों से दिलाया। जिससे सभी बच्चे बहुत खुश हुए। भेल के वरिष्ठ प्रबंधक माननीय श्री राम प्रताप मौर्य जी एवं उप प्रबंधक श्री आर. के. जायसवाल जी कार्यक्रम में उपस्थित थे। दोनों ने वेलफेयर एसोसिएशन के द्वारा समय-समय पर किए जा रहे । कार्यों की तारीफ एवं वेलफेयर एसोसिएशन के सभी सदस्यों को सामाजिक विकास एवं उत्थान के कार्यों के लिए बधाई दी । एवं अपनी ओर से संगठन को भरपूर सहयोग देने का आश्वासन दिया। वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष श्री राजेंद्र कुमार काछी जी ने कहा कि हमारा वेलफेयर एसोसियेशन सभी सदस्यों के प्रयास से सामाजिक विकास एवं उत्थान के कार्यों को जितना भी बन सकता है। वह हमेशा करने का प्रयास करता है। और आगे भी सभी सदस्यों के सहयोग से करता रहेगा। कार्यक्रम में श्री जी. पी. ठाकरे, विनोद कुमार मौर्य, श्याम कृष्णा सोनी, शिवराज सिंह, अजीत सिंह कुशवाहा, मुनिराज प्रसाद विश्वकर्मा,सुरेश कुमार नामदेव, के. सी.विश्वास, रामकुमार मलिक, राजेंद्र प्रसाद आदि सदस्य उपस्थित थे ।

रतले जलविद्युत परियोजना (4x205MW) के लिए रोटर रिम पंचिंग का ब्लैंकिंग डाई टूल सुपुर्द किया

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

बीएचईएल, भोपाल के टीजीएम विभाग में श्री प्रदीप कुमार उपाध्याय, महाप्रबंधक एवं प्रमुख तथा श्री रूपेश तेलंग, महाप्रबंधक (फीडर्स & टीसीबी - MFG, COM. & MAINT.) की उपस्थिति में रतले जलविद्युत परियोजना (4x205MW) के लिए रोटर रिम पंचिंग का ब्लैंकिंग डाई टूल श्री वरूण प्रताप सिंह, वरिष्ठ प्रबंधक (टीजीएम) द्वारा श्री ब्रजेश कुमार ठाकुर, प्रबंधक (प्रेस शॉप) को सुपुर्द किया गया। अपने संबोधन में श्री उपाध्याय ने ने टीजीएम विभाग के कार्य निष्पादन की सराहना करते हुए विभाग के उत्पादों से नए ग्राहकों को जोड़कर तथा व्यवसायिक आवश्यकताओं के अनुरूप भिन्न उत्पाद बनाकर कंपनी की आय बढ़ाने के लिए प्रेरित किया।

प्रेस शॉप की प्रेस क्षमता को ध्यान में रखते हुए रिम पंचिंग के पियर्सिंग एवं ब्लैंकिंग ऑपरेशन्स हेतु टूल्स का विनिर्माण दो स्टेज में किया गया । विशेष बात यह है कि पहली बार इतने बड़े आकार के टूल का स्ट्रिपर इन-हाउस उत्पादित किया गया। इस अवसर पर अपर महाप्रबंधक (सीआईएम, पीआरएम, सीआईटी, टीजीएम एवं सीटीएक्स) श्री वी वी खरे, वरिष्ठ उप महाप्रबंधक (एचजीएम) श्री विशाल शर्मा, श्री सानीलाल टोप्पो, श्री राजेश टोप्पो, श्री एच के बघेल, श्री एम के सहारे, श्री योगेश हिंगे, श्री अनिल कुमार पाण्डेय एवं टीजीएम विभाग के समस्त अधिकारी एवं कर्मचारी मौजूद थे।

पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर मिनाल में प्रभु आदिनाथ से महावीर तक धर्म यात्रा भक्ति में झूमे श्रद्धालु, स्वर्ण कलशों से अभिषेक के साथ हुआ समापन

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

भोपाल श्री पार्श्वनाथ जिनालय सर्व धर्म मंदिर मिनाल में भगवान आदिनाथ से भगवान महावीर तक धर्म यात्रा का अनुष्ठान भक्ति पूर्वक संपन्न हुआ, प्रवक्ता अंशुल जैन ने बताया मिनाल जिनालय में प्रथम बार मिनाल जैन सामाजिक संस्थान ओर महिला संयोजिका समिति के तत्वाधान में 23 मार्च से निरंतर ऋषभदेव भगवान* के *जन्म कल्याणक से अनुष्ठान प्रारंभ हुआ , जिसमें प्रतिदिन श्री ऋषभदेव भगवान का *108 स्वर्ण कलशों से अभिषेक, वृहद शांतिधारा के साथ नवकार महा मंत्र ओर भक्तामर का संगीत मय वाचन हुआ,

* प्रति दिन महिला संयोजिका समिति* द्वारा अद्भुत आनंदमयी भक्तिमय भजन- संध्या* में श्रद्धालु भक्ति नृत्य करते नजर आए। भजन संध्या मे प्रतिदिन नये नये रंग की वेषभूषा और प्रभावना वितरण* ने उत्सव को महोत्सव बना दिया , आचार्य श्री के संदेश और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के योग से स्वस्थ की बात को पालन करते हुए

* भरत जैन के निर्देशन में विशाल अर्हम ध्यान योग* के द्वारा कायोत्सर्ग, प्राणायाम, ध्यान* की *आध्यात्मिक यात्रा कराई गई श्रद्धा और भक्ति से भरे 20 दिवसीय

* अनुष्ठान के समापन भगवान पार्श्वनाथ के स्वर्ण कलश के अभिषेक के साथ हुआ पंडित आशीष जैन के निर्देशन में विधि विधान से श्री पार्श्व नाथ ओर श्री महावीर विधान हुआ,,,,

भाजपा के प्रदेशव्यापी अभियान के तहत आज गोविंदपुरा विधानसभा में "सक्रिय सदस्य सम्मेलन" भव्यता के साथ संपन्न

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

भाजपा के प्रदेशव्यापी अभियान के तहत आज गोविंदपुरा विधानसभा में "सक्रिय सदस्य सम्मेलन" भव्यता के साथ संपन्न हुआ। सैकड़ों की संख्या में उपस्थित कार्यकर्ताओं में संगठन के प्रति अगाध श्रद्धा और समर्पण अप्रतिम है। हमारे कार्यकर्ता दुनिया के सभी राजनीतिक दलों में सर्वश्रेष्ठ कार्यकर्ता हैं, जो अपने संगठन के लिए 24×7, साल के 365 दिन सक्रिय रहते हैं। बूथ, मंडल और शक्ति केन्द्रों पर संगठन की बागडोर को मजबूती से थामे परिश्रम करते हैं। इन्हीं विशिष्ट कार्यकर्ताओं की बदौलत आज हमारी भारतीय जनता पार्टी जन-जन का विश्वास जीत रही है।

माननीय प्रधानमंत्री श्री Narendra Modi जी के नेतृत्व में जिस प्रकार देश ने विश्व गगन में अपनी शाख बढ़ाई है, वह हर कार्यकर्ता को गौरवान्वित कर्ता है। इसलिए हमारे कार्यकर्ता दोगुनी जिम्मेदारी के साथ अपने प्रधान के 2047 में विकसित भारत के संकल्प को साकार करने के लिए संकल्पित होकर जुटे हैं।

मध्यप्रदेश के मुखिया माननीय श्री Dr Mohan Yadav जी की सक्रियता और जनकल्याण की भावना हर कार्यकर्ता को ऊर्जान्वित करती है। जिसके परिणामस्वरूप वह सरकार की लोकहितकारी योजनाओं के धरातलीय क्रियान्वयन में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। हमारा संगठन हमारी प्रेरणा का केन्द्र है और हमारे प्रदेश अध्यक्ष आदरणीय श्री VD Sharma जी हम सबके मार्गदर्शक।

उनके नेतृत्व में जिस तरह से गांव-गांव में तकनीक के साथ संगठन विस्तार हुआ है, वह कार्यकर्ता की क्षमताओं को दोगुना करता है। चाहे कोई चुनाव हो या

संगठनात्मक गतिविधि, हमारे सभी कार्यकर्ता पूर्ण मनोभाव से पार्टी के कार्य में संलग्न रहते हैं। इसी का परिणाम है कि हमारी भाजपा देश में अपनी विजय का परचम फहरा रही है। गोविंदपुरा का हर एक कार्यकर्ता भाजपा का वास्तविक प्रतिनिधि है। ऐसे सभी कार्यकर्ताओं की निष्ठा को बारम्बार प्रणाम। इस अवसर पर भोपाल जिला अध्यक्ष श्री Ravindra Yati जी, पार्टी के पदाधिकारी एवं कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

केन्द्रीय मंत्री श्री शाह के मुख्य आतिथ्य में होगा राज्य स्तरीय सहकारी सम्मेलन

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री श्री अमित शाह के मुख्य आतिथ्य और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव की अध्यक्षता में रविवार 13 अप्रैल को रवीन्द्र भवन सभागार में दोपहर 12 बजे से अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष-2025 के अंतर्गत होने वाले राज्य स्तरीय सहकारी सम्मेलन होगा। सम्मेलन में सांसद श्री वी.डी. शर्मा विशेष अतिथि होंगे। सहकारिता मंत्री श्री विश्वास कैलाश सारंग ने शुक्रवार को मंत्रालय में सम्मेलन की तैयारियों की समीक्षा की। बैठक में पशुपालन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री लखन पटेल, अपर मुख्य सचिव श्री अशोक बर्णवाल, प्रमुख सचिव श्री उमाकांत उमराव, सहकारिता, पशुपालन, नगर निगम, पुलिस और

जिला प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। मंत्री श्री सारंग ने निर्देश दिये कि कार्यक्रम सुव्यवस्थित हो, इसके लिये अलग-अलग काम के लिये अलग-अलग अधिकारी की ड्यूटी निर्धारित की जाये। साथ ही एक कंट्रोल-रूम स्थापित किया जाये, जिसके लिये एक नोडल अधिकारी नियुक्त करें। उन्होंने बैठक व्यवस्था, पास, निमंत्रण-पत्र, वाहन पार्किंग के लिये संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिये। मंत्री श्री सारंग ने गर्मी की तीव्रता को देखते हुए पेयजल व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने अधिकारियों को दी गयी जिम्मेदारियों की लिस्टिंग करने को भी कहा। उन्होंने कार्यक्रम स्थल पर मेडिकल टीम और पॉवर बैक-अप रखने के लिये निर्देश दिये। बैठक में बताया गया कि सम्मेलन में राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड अध्यक्ष श्री मीनेश शाह, मुख्य सचिव श्री अनुराग जैन, केन्द्रीय सहकारिता सचिव डॉ. आशीष कुमार भूटानी भी शामिल होंगे।

नव संवत्सर 2082 एवं वैशाखी के मंगलमय अवसर पर सकलपर्णा समूह द्वारा आयोजित, लोकगीतों से सजी सांस्कृतिक संध्या

दैनिक कारखाने का सफर। भोपाल

11 अप्रैल को महादेवी वर्मा कक्ष , हिंदी भवन में मुख्य अतिथि डॉ बिनय षडंगी राजाराम ने अपने उद्बोधन में कहा कि उन्होंने लोकगीतों और लोकनाट्य के माध्यम से भारतीय ज्ञान परंपरा को सहेजने का कार्य जो महिलाओं द्वारा महिलाओं के लिए किया जा रहा है, ऐसा शानदार कार्यक्रम कभी नहीं देखा । अध्यक्ष अनीता सक्सेना ने अपने वक्तव्य में कहा कि हमारा प्रयास है कि वो महिलायें जिनके अंदर बहुत सारी प्रतिभाएं छुपी हुई हैं उनको सामने लायें | सबके सम्मिलित प्रयासों से भारती लोककलाओं को ना सिर्फ संरक्षित करें अपितु आने वाली पीढ़ी को भी सौंपते जाएँ |

इस अवसर पर डॉ. रंजना शर्मा और डॉ. साधना शुक्ला ने एकल अभिनय करके सबकी वाहवाही लूटी | देवी माँ का भजन डॉ. नीता खरे, नमिता सेनगुप्ता, महिमा वर्मा, डॉ. अर्चना मुखर्जी, नविता जौहरी ने प्रस्तुत किया डॉ. मालती बसंत ने हास्य-व्यंग्य से भरपूर एक रचना प्रस्तुत की | कल्पना विजयवर्गीय ने मीरा का भजन सुनाया | उषा चतुर्वेदी, चित्रा चतुर्वेदी, शालिनी चतुर्वेदी एवं मनीषा चतुर्वेदी ने भदावरी लोकगीत सुनाया | डॉ. कुंकुम गुप्ता ने पैरोडी सुनाई और डॉ. राजश्री रावत जी ने हास्य से भरपूर गप्पों को चुटीले अंदाज में पेश किया | रवीन्द्र संगीत एवं

नृत्य – नमिता सेनगुप्ता द्वारा प्रस्तुत किया गया | श्यामा गुप्ता जी ने बहुत खूबसूरत छंद सुनाये |

अंत में लोकनाट्य डॉ. नीता खरे जी द्वारा प्रस्तुत किया गया जिसमें अनिता सक्सेना, कुंकुम गुप्ता, अर्चना मुखर्जी , महिमा वर्मा , सुनीता प्रकाश, शेफालिका श्रीवास्तव, मधुलिका सक्सेना, मधुलिका श्रीवास्तव, डॉ. साधना गंगराडे, मधु सरन, सुनीता प्रकाश, सुधा दुबे, डॉ. सीमा जैन ने सहभागिता की | कार्यक्रम का सञ्चालन इंदिरा त्रिवेदी और कमल चंद्रा ने किया धन्यवाद ज्ञापन -डॉ साधना गंगराडे ने दिया |

`वन स्टॉप शॉपिंग'!

ट्रंप का प्रोजेक्ट सिर्फ टैरिफ से अमेरिका को होने वाले व्यापार घाटे को पाटने का नहीं है। बल्कि इसके जरिए वे पूरी विश्व व्यवस्था को नए सिरे ढालना चाहते हैं। वे ऐसा ढांचा बनाना चाहते हैं, जिसमें अमेरिकी हित सर्वोपरि हों। यूरोपियन यूनियन (ईयू) के नेतृत्व ने अगर यह सोचा होगा कि अपने यहां अमेरिकी वस्तुओं पर शून्य टैरिफ करने की पेशकश कर वह डॉनल्ड ट्रंप के "जैसे को तैसा" शुल्क योजना से बच जाएगा, तो उसे मायूसी हाथ लगी है। ट्रंप ने यह कहते हुए प्रस्ताव ठुकरा दिया है कि अतीत में ईयू ने अमेरिका के साथ "बहुत खराब व्यवहार" किया है। ईयू को इससे साफ संदेश मिला होगा कि ट्रंप का प्रोजेक्ट सिर्फ टैरिफ से अमेरिका को होने वाले व्यापार घाटे को पाटने का नहीं है। बल्कि इसके जरिए वे पूरी विश्व व्यवस्था को नए सिरे ढालना चाहते हैं। वे ऐसा ढांचा बनाना चाहते हैं, जिसमें अमेरिकी अभिजात्य के हित सर्वोपरि हों और बाकी सारी दुनिया उसे साधने के लिए काम करे। दरअसल, दक्षिण कोरिया के कार्यवाहक राष्ट्रपति से फोन पर वार्ता के बाद ट्रंप ने जो कहा, उसके बाद किसी के भी मन में ट्रंप की इस मंशा को लेकर शक नहीं बचना चाहिए। उन्होंने जानकारी दी कि दक्षिण कोरिया की एक टीम बातचीत के लिए वॉशिंगटन पहुंच रही है। फिर कहा- 'इसी तरह हम अनेक देशों से चर्चा कर रहे हैं। दक्षिण कोरिया की तरह ही हम उनके सामने अन्य मुद्दे भी रख रहे हैं, जिनका संबंध व्यापार और टैरिफ से नहीं है। यह वन स्टॉप शॉपिंग है।' भारतीय अधिकारियों को इस बात का अहसास पहले ही हुआ होगा, जब टैरिफ घटा कर ट्रंप प्रशासन को मना लेने की उनकी सोच नाकाम हो गई। अमेरिका ने द्विपक्षीय व्यापार वार्ता में तमाम तरह की "गैर- टैरिफ" बाधाओं से संबंधित मसलों को भी एजेंडे में रख दिया है। "जैसे को तैसा" टैरिफ का एलान करते समय अमेरिकी अधिकारियों ने कहा था कि उन्होंने अन्य देशों में लगने वाले शुल्क की गणना करते समय वहां कथित करेंसी मैनुपुलेशन और गैर-टैरिफ रुकावटों का भी आकलन किया। मगर ईयू के अनुभव से साफ है कि इस विवादास्पद गणना को स्वीकार कर उस आधार पर पेशकश भी अमेरिका को पर्याप्त नहीं लगी है। तो साफ है कि टैरिफ वॉर के जरिए कोशिश सारी दुनिया पर एकछत्र राज करने की है। क्या ये दांव कामयाब होगा?

संवैधानिक भावना की रक्षा!

सुप्रीम कोर्ट ने असामान्य एवं दूरगामी महत्त्व का निर्णय दिया है। राज्यपालों के जरिए राज्यों की निर्वाचित सरकारों के काम में अड़चन डालना बिल्कुल नई बात नहीं है, लेकिन वर्तमान सरकार के समय यह प्रवृत्ति संवैधानिक भावना के खुलेआम अनादर तक पहुंच गई है। तमिलनाडु के मामले में असामान्य हस्तक्षेप कर सुप्रीम कोर्ट ने संवैधानिक भावना की रक्षा की है। तमिलनाडु के राज्यपाल आरएन रवि ना सिर्फ संघीय भावना की अवहेलना कर रह थे, बल्कि उनके आचरण से सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों का अनादर भी जाहिर होता था। पंजाब के मामले में सुप्रीम कोर्ट ने साफ किया था कि राज्यपाल एक समयसीमा से अधिक विधानसभा से पारित विधेयकों को लटका कर नहीं रख सकते। मगर रवि ने तमिलनाडु में पारित 10 विधेयकों को लटकाए रखा रखा। इसे देखते हुए न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और आर. महादेवन की खंडपीठ ने संविधान के अनुच्छेद 142 से मिले अधिकार का उपयोग करते हुए निर्णय दिया कि उन सभी विधेयकों को मंजूरी दिया गया माना जाएगा। यह पहला मौका है, जब सुप्रीम कोर्ट ने इस तरह किसी राज्यपाल की मंशा को निरस्त किया है। साथ ही कोर्ट ने संविधान के अनुच्छेद 200 की शब्दावली की अस्पष्टता दूर की है, जिसका लाभ राजनीतिक मंशा से प्रेरित राज्यपाल उठाते थे। इस अनुच्छेद में कहा गया है कि विधानसभा से पारित विधेयक को राज्यपाल 'यथाशीघ्र' मंजूरी देंगे। अब सर्वोच्च न्यायालय ने व्यवस्था दी है कि राज्यपाल को ऐसा फैसला तीन महीनों के अंदर लेना होगा। आशा है कि हाल के वर्षों में गैर-भाजपा शासित राज्यों में राज्यपालों के जरिए निर्वाचित सरकारों के फैसलों में रुकावट डालने की जारी प्रवृत्ति पर रोक लगेगी। बहरहाल, यह अवश्य ध्यान में रखना चाहिए कि ये सारी समस्या केंद्र में सत्ताधारी भाजपा की नई दिल्ली से पूरे भारत को नियंत्रित करने की महत्त्वाकांक्षा से पैदा हुई है। राज्यपाल इसमें महज मोहरा बने हैं। वैसे राज्यपालों के जरिए राज्यों की निर्वाचित सरकारों के काम में अड़चन डालना बिल्कुल नई बात नहीं है, लेकिन वर्तमान सरकार के समय यह प्रवृत्ति संवैधानिक भावना के खुलेआम अनादर तक पहुंच गई है। सुप्रीम कोर्ट ने विधेयकों को लटकाए रखने के मामले में स्थिति पंजाब के प्रकरण में साफ कर दी थी। फिर भी ऐसा होना चाही रहा। फिलहाल, सुप्रीम कोर्ट के ताजा निर्णय को एक सामयिक हस्तक्षेप माना जाएगा।

कर्ज लेकर दाल-रोटी चला रहे हैं लोग!

कर्ज लेकर घी पीने का एक दर्शन भारत में रहा है। चार्वाक ऋषि को इस दर्शन का प्रणेता माना जाता है। हालांकि यह दर्शन ज्यादा लोकप्रिय नहीं हुआ क्योंकि कर्ज लेकर घी पीने वालों को भारतीय समाज में फ्रॉड माना जाता है। इसलिए यह काम बड़े लोगों खासकर उद्योगपतियों, कारोबारियों, नेताओं आदि के लिए छोड़ दिया गया। मध्यवर्ग अपनी मोरालिटी में इससे दूर रहा तो निचले तबके को इसका मौका ही नहीं मिला। लेकिन अब देश में एक नया दर्शन स्थापित हो रहा है। कर्ज लेकर दाल-रोटी चलाने का। नोटबंदी, जीएसटी और केंद्र सरकार की अन्य आर्थिक नीतियों के साथ साथ कोरोना की महामारी ने भारतीय समाज को इस दर्शन का अनुपालन करने के लिए मजबूर कर दिया है। भारत में कर्ज के आंकड़े परेशान करने वाले हैं। एक तरफ अमीरों का कर्ज है, जिसमें से पिछले 10 साल में 16 लाख करोड़ रुपए का कर्ज भारत सरकार ने बट्टेखाते में डाला है तो दूसरी ओर रोजमर्रा की जरुरतों को पूरा करने के वास्ते लिए गए कर्ज का आंकड़ा है, जिसके बोझ तले देश का मध्य वर्ग दबा हुआ है। कोरोना महामारी के बाद घरेलू कर्ज यानी रोजमर्रा की जरुरतों को पूरा करने के वास्ते लिया गया कर्ज लगातार बढ़ता जा रहा है। कई स्तरों पर कर्ज डिफॉल्ट हो रहा है और बैंकों का पैसा डूब रहा है। रिजर्व बैंक के पिछले साल यानी 2024 में क्रेडिट कार्ड सेगमेंट में डिफॉल्ट राशि 28.42 फीसदी बढ़ कर 6.742 करोड़ रुपए हो गई है। पिछले साल जून तक गोल्ड लोन का डिफॉल्ट 6,696 करोड़ रुपए हो गया था। क्रेडिट कार्ड और गोल्ड लोग दोनों का कर्ज छोटी छोटी घरेलू जरुरतों को पूरा करने के लिए लिया गया है। जून 2021 में जब कोरोना महामारी की दूसरी लहर समाप्त हुई उस समय घरेलू कर्ज भारत के सकल घरेलू उत्पाद यानी जीडीपी के 36.5 फीसदी था, जो जून 2024 में बढ़ कर जीडीपी के 42.9 फीसदी तक पहुंच गया। अगर 2015 से 2019 की चार साल की अवधि को देखें तो घरेलू कर्ज का औसत जीडीपी के 33 फीसदी के आसपास था। यानी 2019 के बाद से इसमें 10 परसेंटेज प्वाइंट की बढ़त हुई है। अगर भारत की जीडीपी चार सौ लाख करोड़ रुपए है तो इसका मतलब है कि चार साल में घरेलू कर्ज में 40 लाख करोड़ रुपए की बढ़ोतरी हो गई है। घरेलू कर्ज के आंकड़ों की थोड़ी और बारीकी में जाते हैं तो पता चलता है कि मार्च 2021 से मार्च 2024 की तीन साल की अवधि में बैंकों से लिए जाने वाले पर्सनल लोन में 75 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। इस अवधि में नॉन बैंकिंग फाइनेंस कंपनीज और हाउसिंग फाइनेंस कंपनी के कर्ज में 70 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। इसी अवधि में मिनी माइक्रो फाइनेंस कंपनी के कर्ज में 67 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। इसकी तुलना में इसी अवधि में घरेलू आय में 43 फीसदी और उपभोग में 49 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। यानी आय व उपभोग के अनुपात में कर्ज ज्यादा बढ़ा है। अर्थशास्त्र के जानकारों का कहना है कि अगर कर्ज बढ़ने का ट्रेंड 2015 से 2019 वाला रहता और उसके बाद चार साल में जितनी तेजी से बढ़ा है वैसे नहीं बढ़ता तो उपभोक्ता खर्च में जीडीपी के दो फीसदी के बराबर कमी आती। इसका बहुत बड़ा असर देश की अर्थव्यवस्था पर पड़ता। सबसे ज्यादा चिंता की बात यह है कि ज्यादातर कर्ज घरेलू और रोजमर्रा की जरुरतों को पूरा करने के लिए लिया जा रहा है। निवेश करने या कारोबार बढ़ाने के लिए इस अनुपात में कर्ज नहीं लिया जा रहा है। दूसरी खास बात यह है कि पांच लाख रुपए सालाना से कम आय वाले लोग अपनी जरुरतों को पूरा करने के लिए ज्यादा कर्ज ले रहे हैं। यही कारण है कि अनसिक्योर लोन की मात्रा सबसे ज्यादा बढ़ रही है। अगर बैंकों से लिए जाने वाले घरेलू कर्ज में क्रेडिट कार्ड और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स के कर्ज को जोड़ दें तो मार्च 2021 से मार्च 2024 की अवधि में कर्ज बढ़ने का आंकड़ा 82 फीसदी पहुंच जाता है। इन तीनों मामलों यानी घरेलू कर्ज, क्रेडिट कार्ड और कंज्यूमर ड्यूरेबल्स का गैर बैंकिंग वित्तीय संस्थाओं का कर्ज इसी अवधि में 130 फीसदी की दर से बढ़ा है। तभी माना जा रहा है कि पांच लाख से कम आय वाला घर चलाने के लिए कर्ज ले रहा है और उससे ज्यादा मध्य आय वाला वर्ग घर और कार आदि के लिए कर्ज ले रहा है। चिंता की दूसरी बात यह है कि पहले से चल रहे कर्ज के बाद भी परिवार कर्ज ले रहे हैं। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के मुताबिक निजी कर्ज लेने वाले पांच से में तीन लोगों के ऊपर एक साथ तीन लोन की किस्तें चल रही हैं। माइक्रो फाइनेंस की बात करें तो छह फीसदी ऐसे हैं, जिन पर चार या उससे ज्यादा कर्ज चल रहे हैं। इसका मतलब है कि घरेलू आय का बड़ा हिस्सा कर्ज की किस्तें भरने में जा रहा है और अगर आय में बहुत जल्दी व तेजी से बढ़ोतरी नहीं होती है तो बैंकों के कर्ज एनपीए में बदलेंगे या आम लोगों पर कर्ज चुकाने का बहुत बड़ा दबाव बनेगा। उनकी कमाई का ज्यादा हिस्सा कर्ज चुकाने में जाएगा। तभी रिजर्व बैंक ने कर्ज की शर्तें सख्त करने और जोखिम का आकलन करने का निर्देश दिया। इससे कर्ज देने की रफ्तार में थोड़ी कमी आई लेकिन इसका असर उपभोग पर पड़ा और विकास दर गिर गई। सो, यह अलग जोखिम है। इस बीच रिजर्व बैंक ने रेपो रेट में कमी शुरू कर दी है। दो कटौती हो गई है। इससे कर्ज और उपभोग दोनों बढ़ेंगे। पर मुश्किल यह है कि अगर कमाई नहीं बढ़ी तो कर्ज कहां से चुकता होगा? फिर तो बैंकिंग सेक्टर का भी भट्ठा बैठेगा। ध्यान रहे बैंकों के कर्ज में निजी और घरेलू कर्ज का हिस्सा एक तिहाई है और एनबीएफसी व एचबीएफसी के कर्ज में आधा है। ऐसा नहीं है कि उपभोग के लिए सिर्फ निजी कर्ज या क्रेडिट कार्ड और कंज्यूमर उत्पादों के लिए बैंकों या एनबीएफसी से कर्ज लिए जा रहे हैं, गोल्ड लोन यानी सोना गिरवी रख कर कर्ज लेने का ट्रेंड भी तेजी से बढ़ा है। इसका भी ज्यादातर हिस्सा घरेलू जरुरतों को पूरा करने से जुड़ा है। ताजा आंकड़ों के मुताबिक फरवरी 2025 में गोल्ड लोन में 87.4 फीसदी की बढ़ोतरी हुई। यह बढ़ कर 1.91 लाख करोड़ रुपए पहुंच गई है। 2019 से 2024 के बीच सोना गिरवी रख कर कर्ज लेने वाली महिलाओं की संख्या में 22 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। इसी बीच गोल्ड लोन डिफॉल्ट में 30 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। आरबीआई के आंकड़ों के मुताबिक मार्च 2024 में गोल्ड लोन बकाया 1,02,562 करोड़ था, जो अक्टूबर 2024 तक बढ़ कर 1,54,282 करोड़ हो गया और फरवरी 2025 में बढ़ कर 1.91 लाख करोड़ हो गया। गोल्ड लोन के बाद कर्ज का तीसरा सेगमेंट है सूदखोर महाजनों का जिनके चंगुल में देश की गरीब आबादी का बड़ा हिस्सा फंसा हुआ है। ऐसे नागरिक, जिनकी नियमित आय का कोई साधन नहीं है, जिनको कोई भी बैंक, एनबीएफसी या एचबीएफसी कर्ज नहीं देता है और जिनके पास सोना नहीं है, जिसे गिरवी रख कर कर्ज लें वे अपने गांव, कस्बे या शहर के महाजन पर निर्भर हैं। गांवों और छोटे शहरों से लेकर महानगरों तक ऐसे कर्ज देने वाले महाजन हैं, जिनके ब्याज की दरें बहुत ऊंची होती हैं। इनके जाल में फंसने वालों का निकलना मुश्किल होता है। सो, कर्ज लेकर दाल-रोटी चलाने वालों की तादाद तेजी से बढ़ रही है और दूसरी ओर देश की 10 फीसदी मध्य वर्ग, उच्च मध्य वर्ग और संपन्न लोगों की आबादी है, जिनकी वजह से देश भर के मॉल्स की चमक दमक बनी हुई है। यह 10 फीसदी आबादी, जो 14 करोड़ बनती है वही कारें खरीद रहा है, घर खरीद रहा है, आई फोन्स खरीद रहा है और मॉल्स व रेस्तरां में जा रहा है। उन्हीं को दिखा कर देश के भोले लोगों को बहलाया जा रहा है कि देखो कहां है गरीबी! बताया जाता है कि इतने आई फोन बिक गए, इतनी कारें बिक गईं या मॉल्स में इतनी भीड़ है और किसी महंगे रेस्तरां में बिना पहले से बुकिंग के जगह नहीं मिलती है, लेकिन यह धोखा देने और हकीकत को छिपाने वाली तस्वीर है। यह देश की 10 फीसदी आबादी की सचाई है। बाकी 90 फीसदी आबादी की सचाई यह है कि वो कर्ज लेकर दाल-रोटी चला रही है।

लोकतंत्र के स्तंभों में टकराव!

भारतीय प्रजातंत्र का महल तीन स्तंभों विधायिका, कार्यपालिका और न्यायपालिका पर खड़ा है, चैथा स्वयं भू-स्तंभ खबर पालिका भी इसे सहारा देने का दावा करती रही है। किंतु आज जब हमारा प्रजातंत्र उम्रदराज हो चुका है और आठवें दशक के समापन की ओर बढ़ रहा है, ऐसे में इसके स्तंभों में आपसी टकराव की स्थिति निर्मित हो रही है और इसे कमजोर कर इसे खंडहर में परिवर्तित करने के प्रयास किए जा रहे है, जबकि हमारे संविधान ने पहले से ही स्तंभों के कर्तव्य और अधिकार की सीमा रेखा तय कर रखी है। किंतु अब इन तीनों ही स्तंभों में धीरे-धीरे स्वेच्छाचारिता बढ़ती जा रही है और इन्होंने अपनी सीमा रेखा के उल्लंघन की तैयारीयां शुरू कर दी है। इसका ताजा उदाहरण सर्वोच्च न्यायालय द्वारा राज्यपालों की शक्ति सीमा तय करने का प्रयास है। .और यही नही सर्वोच्च न्यायालय के तो राज्यपाल के अधिकारों पर अतिक्रमण कर तमिलनाडू के राज्यपाल के पास लम्बित दस अधिनियमों बिल को (मंजूरी) भी दे दी। भारतीय प्रजातंत्र के अब तक के इतिहास में शायद यह पहला अवसर है, अब इंदिरा जी के आपातकाल में क्या-क्या हुआ? उसे यदि एक तरफ रखकर मौजूदा माहौल में देखा जाए तो तमिलनाडू के लम्बित अधिनियमों की सर्वोच्च न्यायालय द्वारा मंजूरी एक विष्मयकारी घटना है। इस घटना के संदर्भ में सर्वोच्च न्यायालय यही तक सीमित नही रहा उसने राज्यपाल को कई तरह की कानूनी सीख भी दे दी और कहा कि- राज्यपाल किसी राजनीतिक दल विशेष के प्रतिनिधि नही बन सकते साथ ही देश के सभी राज्यपालों को सीख देते हुए कहा कि- राज्यपालों को एक से तीन महीनों का समय सीमा में बिल पर फैसला लेना होगा, वे इससे ज्यादा अवधि तक बिलों को अपने पास लम्बित नही रख सकते। साथ ही यदि राज्यपाल जनता की इच्छा के विरूद्ध काम करते है तो यह शपथ का उल्लंघन माना जाएगा। शायद प्रदेशों के सर्वोच्च सत्ताशीर्ष के खिलाफ सर्वोच्च न्यायालय की इतनी सख्त टिप्पणी पहली बार आई है। अब ऐसी स्थिति में यहां यह भी याद दिलाना जरूरी है कि देश के आधा दर्जन से अधिक राज्यों में मौजूदा सरकारों व राज्यपालों के बीच तीखी तकरार चल रही है, जिनमें पंजाब, तमिलनाडू, तेलंगाना, पश्चिम बंगाल प्रमुख है। इस विवाद की मुख्य वजह यह है कि अब यह आम परिपाटी बन गई है कि किसी भी राजनेता के राज्यपाल बना दिए जाने के बाद भी उसका जुड़ाव उसके सम्बंधित राजनीतिक दल व उसके नेताओं के साथ ही होता है और वह संविधान के नियम-कानूनों को भूलकर एक राजनीतिक कार्यकर्ता की तरह ही राज्यपाल की भूमिका में होता है। इससे प्रदेश की जनता, संविधान व कानूनी मर्यादाओं का ठीक से परिपालन नही हो पाता और राजभवन एक राजनीतिक दल विशेष का कार्यालय बनकर रह जाता है। आज देश के कई राजभवन इसके साक्षात उदाहरण बने हुए है। शायद इसी विकट स्थिति को देखते हुए इसके भविष्य की कल्पना कर सर्वोच्च न्यायालय को यह कदम उठाने को बाध्य होना पड़ा है, पर अब मुख्य सवाल यह है कि क्या सर्वोच्च न्यायालय भी इस संवैधानिक महारोग का माकूल इलाज खोज पाएगा? या प्रजातंत्र की उसकी उम्र के आठवें दशक में ही अकाल मौत हो जाएगी?

उफ, यह! बचों अमेरिका जाने से!

इस साल गर्मियों में मुझे एक पारिवारिक दोस्त की शादी में शामिल होने अमेरिका जाना था। पर अब मैं अमेरिका नहीं जा रही हूँ। आप सोच रहे होंगे कि शायद वीसा हासिल करने के लिए ज़रूरी कागज़ी कार्यवाही से बचने के लिए मैंने यह तय किया। बिलकुल नहीं। मैं कागज़ी कार्यवाही से बिलकुल नहीं डरती। बात यह है कि मुझे नहीं लगता कि मुझे एक ऐसे देश में जाना चाहिए जो सैलानियों को संदेह की दृष्टि से देखता है। पढने या काम करने के लिए अपने यहाँ आने वालों को हमलावर मानता है। और फिर मैं आखिर अपनी साल भर की बचत, बल्कि उससे भी ज्यादा रकम, डोनाल्ड ट्रंप की तानाशाह सरकार के खजाने को भरने में क्यों खर्च करूं? एक समय अमेरिका में खुलापन था, एक किस्म की गर्मजोशी थी। वहां आने वाले को लगता था कि उसका वहां स्वागत हो रहा है। अब ऐसा बिलकुल नहीं है। ट्रंप सरकार के अमेरिका में किसी का स्वागत नहीं है। लाल कालीन की जगह लाल झंडे हैं – रुको, ठहरो वे कहते हैं। कस्टम्स और बॉर्डर प्रोटेक्शन के अधिकारियों का व्यवहार कभी बहुत दोस्ताना नहीं था। मगर अब तो वे डरावने लगते हैं – मानों जॉर्ज ओरवेल के '1984' के पन्नों से बाहर निकले हों। हाल में कई ऐसी घटनाएँ हुईं हैं जिनमें छात्रों और प्रोफेसरों को जबरदस्ती उनके देश वापस भेज दिया गया। कलाकारों और सैलानियों को हिरासत में लिया गया। ऐसा भी नहीं था कि ये सभी अश्वेत थे। इनमें से कई पश्चिमी देशों के श्वेत रहवासी थे जिन्हें अमेरिका के इमीग्रेशन अधिकारी सामान्यतः परेशान नहीं करते। उन्हें भी अस्पष्ट या बहुत मामूली कारणों से हिरासत में लिया गया, डिपोर्ट कर दिया गया या अमेरिका में घुसने नहीं दिया गया। अभी कुछ दिन पहले मैंने लंदन के 'द गार्डियन' में एक खबर पढ़ी। वह सचमुच परेशान करने वाली थी। पूरी दुनिया में हैरानी हुई। वह अमेरिका और ब्रिटेन के मीडिया में बहुत जगह छपी। इसमें ब्रिटेन की नागरिक और ग्राफिक्स कलाकारा रेबेका बर्क के कटु अनुभवों का वर्णन है। रेबेका के अमेरिका में गिरफ्तार किए जाने और फिर उसके साथ सलूक का भयावह विवरण पढ़ कर दुनिया भर के असंख्य लोगों ने तुरंत अमेरिका जाने का इरादा त्यागा होगा। रेबेका एक वैध टूरिस्ट वीसा के साथ अमेरिका गई थीं। उस समय देश पर बाइडन का राज था। छः हफ़्तों तक वे अपनी पीठ पर पिट्ठू बैग टांगे अमेरिका में जगह-जगह घूमी। जाहिर है कि देश बदल चूका है, इसका उन्हें गुमान भी न था। जब वे अमेरिका की सीमा पार कर कनाडा में प्रवेश कर रही थीं तब सीमा पर तैनात अधिकारियों ने कहा कि अमेरिका में उनका रहवास वैसा नहीं था जैसा टूरिस्ट वीसा पर आने वाले का होना चाहिए और उन्हें कामगार वीसा पर देश में आना चाहिए था। नतीजतन उन्हें अमेरिका वापस भेज दिया गया और गैर-कानूनी विदेशी घोषित कर दिया। उन्हे बेड़ियों में बाँध कर एक इमीग्रेशन एंड कस्टम्स एन्फोर्समेंट डिटेंशन सेंटर में पहुंचा दिया गया। वे 19 दिन वहां बंद रहीं। उनके पास ब्रिटिश पासपोर्ट था, वापस जाने के लिए पर्याप्त पैसे थे और वे वापस जाने के लिए आतुर और तैयार थीं। इसके बाद भी उन्हें जो भोगना पड़ा वह डरावना और भयावह है। कोई उनकी मदद नहीं कर सका। ब्रिटिश हाई कमीशन के प्रश्नों पर डिटेंशन सेंटर ने चुप्पी साध ली। आखिरकार रेबेका की दुर्दशा की मीडिया की सुर्खियाँ बनने के बाद ही उनके दुखों

का अंत हुआ। मगर फिर भी उन्हें तीन हफ़्तों तक अकारण जेल में रहना पड़ा। उन्हें अवैध प्रवासियों के लिए विशेष उड़ान से वापस भेजा गया। उनके पैरों, हाथों और कमर में बेड़ियाँ थीं। उनकी सिर से पैर तक तलाशी ली गयी, उनके बैगों के नमूने लिए गए। उनकी परतें काट कर उनकी जांच की गयी। तब जाकर वे अपने देश वापस आ पाईं। रेबेका के बारे में लिखने के दौरान, श्रुति चतुर्वेदी की खबर आई। वे एक भारतीय व्यवसायी हैं। उन्हें अमेरिका के एक एयरपोर्ट पर पुलिस और एफबीआई के अधिकारियों ने आठ घंटों तक रोके रखा। यहां तक कि उनकी फ्लाइट छूट गयी। अपनी आपबीती साझा करते हुए उन्होंने एक्स पर लिखा कि एक पुरुष अधिकारी ने उनकी शारीरिक जांच की और वह भी कैमरे की निगरानी में। उन्हें शौचालय नहीं जाने दिया गया, अपने फ़ोन का इस्तेमाल नहीं करने दिया और उनसे कहा गया कि वे अपने गर्म कपडे उतार लें। उनकी फ्लाइट छूटी सो अलग। और यह सब क्यों? केवल इसलिए कि अधिकारियों को उनके हैंडबैग में रखा पॉवर बैंक 'संदेहास्पद' लगा। उन्होंने अपनी यात्रा की तैयारी, वीसा, टिकिट आदि पर जो पैसा खर्च किया था वह सब बेकार हो गया। रेबेका के पास दुनिया के सबसे ताकतवर पासपोर्टों में से एक ब्रिटेन का पासपोर्ट था। श्रुति के पास एक ऐसे देश का पासपोर्ट था जो विश्वगुरु बनने जा रहा है। इंग्लैंड और भारत दोनों अमेरिका के नजदीकी साथी हैं। फिर मोदीजी और डोनाल्डजी पक्के दोस्त हैं। मगर बावजूद इसके डोनाल्ड के अमेरिका की निगाहों में रेबेका गैरकानूनी विदेशी है और श्रुति, मुलजिम। इन सब घटनाओं के मद्देनजर अलग-अलग देश अमेरिका की यात्रा पर जा रहे अपने नागरिकों को अलग-अलग सलाहें दे रहे हैं। कम से कम सामान ले जाईए। और हो सके तो एक वकील को भी साथ रखें ! चीन से अमेरिका आने वालों की संख्या में 11 प्रतिशत की गिरावट आई है। चीनी अब ऑस्ट्रेलिया और न्यूज़ीलैंड जा रहे हैं। कनाडा के नागरिकों ने अमेरिका का अघोषित बहिष्कार शुरू कर दिया है। जर्मनी अपने नागरिकों को बता रहा है कि केवल वीसा होना या प्रवेश की छूट होना अमेरिका में प्रवेश की गारंटी नहीं है। इंग्लैंड ने भी अपने नागरिकों को चेतावनी दी है। ऐसा अंदाज़ा है कि इस साल अमेरिका जाने वालों की संख्या में कम से कम पांच प्रतिशत की गिरावट आएगी। और मुझे लगता है कि इस स्थिति के लिए अमेरिकी खुद ही ज़िम्मेदार हैं। हालांकि केवल 32 प्रतिशत वोटरों ने ट्रंप को वोट दिया था मगर वहां के पर्यटन उद्योग में बड़ी संख्या में लोग इन हालातों से चिंतित होंगे। कईयों को अंतर्राष्ट्रीय यात्राओं में कमी से भी नुकसान होगा। मेरा सवाल है कि आखिर आप ऐसी किसी जगह क्यों जाना चाहेंगे जहाँ आपको बेड़ियों में जकड़ा जाएगा या केवल हैंडबैग में पॉवरबैंक रखने के लिए आपके बैग फाड़ डाले जाएंगे? क्या आप अपना पैसा ऐसे देश की यात्रा पर खर्च करना चाहेंगे जो अपने पड़ोसियों को अपना हिस्सा बनाने की धमकियाँ दे रहा है, जो हम सब पर भारी-भरकम टैरिफ लाद रहा हो और जो हम सब की ज़िन्दगी केवल इसलिए मुहाल कर रहा हो ताकि वो अपना बदला ले सके। इससे भी बुरी बात यह कि वो अन्य देशों के शासकों को भी तानाशाह बनने की प्रेरणा दे रहा है। जोखिम और भी हैं। कुछ दिन पहले, अमेरिका ने वेनेजुएला के सैकड़ों नागरिकों को एल साल्वाडोर में स्थित एक जेल में भेज दिया। यह इस तथ्य के बावजूद किया गया कि एक फ़ेडरल जज ने ट्रंप द्वारा सदियों पुराने एलियंस एनिमीस एक्ट के इस्तेमाल को ख़ारिज कर दिया और वेनेजुएला के नागरिकों को ले जा रहे कुछ हवाईजहाजों को वापस अमेरिका लाने का आदेश दिया था। मगर ट्रंप बहुत खुश थे। उन्होंने संवाददाताओं से कहा कि वेनेजुएला के जिन लोगो को डीपोर्ट किया गया है वे 'बैड पीपल' (ख़राब लोग) थे। जो भी ट्रंप की आलोचना करता है या उनका विरोध करता है वह 'बैड पीपल' बन जाता है। चीनी 'बैड पीपल' हैं। तभी तो उनके देश पर 104 फीसद का टैरिफ लगाया है। भारतीय भी जल्दी ही 'बैड पीपल' की सूची में शामिल होने वाले हैं क्योंकि ट्रंप ने दवाओं के आयात पर भारी टैरिफ लगाने की घोषणा की है। बहरहाल, मैंने तय किया है कि मैं कुछ साल इंतज़ार करूंगी – शायद तब तक जब तक ट्रंप राज ख़त्म न हो जाए। और मैं आप सबसे जोर देकर कहना चाहती हूँ कि अमेरिका की यात्रा का इरादा त्याग दें। अगर आप विद्यार्थी हैं तो इस बात की फ़िक्र न करें कि आपका एक साल बेकार हो जायेगा। एक साल बर्बाद होना जीवन भर बुरी यादों के साथ जीने से बेहतर है। और मैं आपको बता दूं कि फ्रांस और हांगकांग के डिज्नीलैंड में आप उतना ही मज़ा कर सकते हैं जितना अमेरिका के डिस्नेलैंड में। तो देवियों और सज्जनों, अपना पैसा बचाईये। हम ट्रंप के अमेरिका को 'फिर से ग्रेट' बनाने के लिए अपना पैसा क्यों खर्च करें? बिना बिचारे जो करे सो पाछे पछताय – आखिर यह हमारे बटुए, हमारी गरिमा और हमारे विवेक का सवाल है।

-श्रुति व्यास

रूस के Su-35 फाइटर जेट की दुनिया में मची धूम, ईरान के बाद एक और शक्तिशाली देश ने खरीदा

एजेंसी मॉस्को

रूसी लड़ाकू विमान सुखोई Su-35, जो एक अत्याधुनिक मल्टीरोल फाइटर जेट है, वो वैश्विक रक्षा बाजार में तेजी से अपनी पकड़ मजबूत कर रहा है। हाल ही में इस लड़ाकू विमान की डिलीवरी अल्जीरिया को की गई है, जो रूस के साथ अपने सैन्य संबंधों को और गहरा कर रहा है। इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट फॉर स्ट्रेटेजिक स्टडीज (IISS) ने पुष्टि की है कि अल्जीरिया में रूसी सुखोई एसयू -35 को अपने एयरफोर्स में शामिल कर लिया है। 10 मार्च को अल्जीरिया के एल बुआघी एयर बेस एक एसयू -35 की तैनाती की पुष्टि की गई। Su-35 एक 4.5-पीढ़ी का फाइटर जेट है, जो अत्याधुनिक एवियोनिक्स, थ्रस्ट-वेक्टरिंग इंजन और लंबी दूरी की रडार प्रणाली से लैस है। यह विमान हवा से हवा और हवा से जमीन दोनों प्रकार के मिशनों को अंजाम देने में सक्षम है। लिहाजा कई देशों के एयरफोर्स बेड़े के लिए ये फाइटर जेट काफी शानदार साबित होता है। अल्जीरिया ने हाल ही में Su-35 फाइटर जेट्स की पहली खेप हासिल की है। यह विमान पहले मिस्र के लिए बनाए गए थे, लेकिन पश्चिमी देशों की प्रेशर की वजह से मिस्र ने अंत में फाइटर जेट खरीदने से इनकार कर दिया था। जिसके बाद अब ये विमान अल्जीरिया की वायु सेना में शामिल किए गये हैं, जिससे देश की हवाई शक्ति में वृद्धि हुई है। कई स्रोतों से पता चला है कि अल्जीरिया ने रूस के साथ 24 Su-35 लड़ाकू विमान खरीदने के लिए डील किया हुआ है। हालांकि अल्जीरियाई सरकार ने कोई सार्वजनिक घोषणा नहीं की है, जिससे पता चलता है कि ये सौदा काफी सीक्रेट अंदाज में की गई है। ईरान ने भी रूसी फाइटर जेट खरीदने की घोषणा कर रखी है, जो अपनी वायुसेना के पुराने हो चुके विमानों से जूझ रहा है। अक्टूबर 2020 के बाद ईरान ने काफी तेजी से रूस के साथ सैन्य संबंध बनाए हैं। खासकर यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद ईरान को लेकर रूस का विश्वास काफी बढ़ गया है। कई रिपोर्ट्स में कहा गया है कि ईरान ने भारी मात्रा में गोला बारूद रूस को सौंपे हैं। शुरू में रूस ने रूस से सुखोई SU-30SM Flanker-H खरीदने में गहरी दिलचस्पी दिखाई थी। ईरान का मकसद अपने एयरफोर्स के बेड़े से काफी पुराने हो चुके ग्रुम्मन F-14 टॉमकैट्स को बाहर करना था। लेकिन बाद में ईरान ने अपने विचार बदल लिए उसने एसयू-35 को खरीदने का फैसला किया। SU-35 की ताकत और क्षमता ने ईरान को काफी प्रभावित किया है। जर्मन रक्षा प्रकाशन Flugrevue की एक खोजी रिपोर्ट के मुताबिक रूस ने रूस के सुदूर पूर्व में कोम्सोमोल्स्क-ऑन-अमूर एयरक्राफ्ट प्रोडक्शन एसोसिएशन (KNAAPO) की सुविधा में एक बंद दरवाजे के पीछे ईरान को दो SU-35 फाइटर जेट सौंपे। उस दौरान रिपोर्ट्स में दावा किया गया कि विमान को पहले मॉड्यूलर कंपोनेंट्स में बांटा गया और फिर कड़ी सुरक्षा के बीच रूसी वायु सेना के एंटोनोव एएन-124-100 से तेहरान के मेहराबाद अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर ले जाया गया। हमादान एयर बेस में पहुंचने के बाद एक बार फिर से फाइटर जेट को एसेंबल किया गया। फ़्लुग्रेव रिपोर्ट में आगे कहा गया है कि ईरान इन Su-35SE विमानों को इस्फ़हान में तैनात किया हुआ है। ऐसी रिपोर्ट है कि ईरान ने कम से कम 24 एसयू-35 का ऑर्डर रूस को दे रखा है, ताकि वो अपने एयरफोर्स बेड़े को मजबूत कर सके। Su-35 की बढ़ती मांग रूस के लिए एक रणनीतिक मौदा बन चुका है। यह विमान उन देशों के लिए आकर्षक विकल्प बन गया है जो पश्चिमी हथियार प्रणालियों पर निर्भरता कम करना चाहते हैं। Su-35 की तकनीकी क्षमताएं और रूस का आसान बिक्री सिस्टम देशों के लिए इस फाइटर जेट को खरीदना काफी आसान कर देता है। चीन, ईरान और अल्जीरिया का Su-35 पर विश्वास जताना बताता है कि ये फाइटर जेट न सिर्फ तकनीकी रूप से उन्नत है, बल्कि यह रूस के लिए रणनीतिक साझेदारियों को मजबूत करने का एक साधन भी बन गया है। अल्जीरिया और ईरान जैसे देशों में इसकी तैनाती से यह स्पष्ट है कि Su-35 वैश्विक रक्षा परिदृश्य में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है।

इजरायली सेना में बगावत! सैनिकों ने खुलकर किया गाजा युद्ध का विरोध, IDF ने 1000 को बर्खास्त किया

एजेंसी तेल अवीव

इजरायल ने गुरुवार को गाजा युद्ध को समाप्त करने और इजरायली बंधकों की रिहाई के लिए हमास के साथ समझौते की वकालत करने वाले 1000 से अधिक सक्रिय रिजर्व कर्मियों को बर्खास्त कर दिया है। इन रिजर्विस्टों ने गाजा युद्ध में हमास के साथ समझौते की मांग को लेकर एक सार्वजनिक पत्र प्रकाशित किया था। लगभग 1,000 सक्रिय रिजर्व कर्मियों तथा प्रमुख भूतपूर्व सैन्य अधिकारियों द्वारा हस्ताक्षरित यह पत्र 10 अप्रैल को प्रमुख इजराइली समाचार पत्रों में प्रकाशित हुआ था। इस पत्र को गाजा युद्ध के कारण इजरायल में बढ़ते असंतोष के रूप में देखा जा रहा है। इस पत्र में कहा गया था कि गाजा युद्ध अब इजराइल के सुरक्षा हितों की रक्षा नहीं कर रहा है, बल्कि केवल राजनेताओं के राजनीतिक तथा व्यक्तिगत एजेंडे की रक्षा कर रहा है। हस्ताक्षरकर्ताओं में पायलट, एयरक्रू और पूर्व वरिष्ठ अधिकारी जैसे कि पूर्व IDF चीफ ऑफ स्टाफ डैन हलुट्ज़ और मेजर जनरल निम्रोद शेफर शामिल हैं, जिन्होंने बताया कि संघर्ष जारी रखने से बंधकों, सैनिकों और नागरिकों की भलाई खतरे में पड़ गई, जबकि यह सैन्य लक्ष्यों को आगे बढ़ाने में विफल रहा। उन्होंने सरकार से हमास के साथ बातचीत को प्राथमिकता देने का आग्रह किया और बंधकों की भयानक स्थिति पर प्रकाश डाला। ऐसी आशंका है कि हमास के कैद में बचे 59 इजरायली बंधकों में से केवल 24 ही जीवित बचे हैं। इस कारण इजरायल में बंधकों के परिवार वाले लगातार सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे हैं। हालांकि, बेंजामिन नेतन्याहू के नेतृत्व वाली सरकार गाजा युद्ध और हमास के साथ समझौते के मुद्दे पर झुकने को तैयार नहीं है। सैनिकों के इस पत्र पर इजरायल डिफेंस फोर्सेज (IDF) ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। IDF चीफ ऑफ स्टाफ लेफ्टिनेंट जनरल इयाल जमीर और वायु सेना कमांडर मेजर जनरल तोमर बार ने पत्र पर हस्ताक्षर करने वाले सभी सक्रिय रिजर्विस्ट को बर्खास्त करने का आदेश दिया, जिसमें कहा गया कि सेवारत कर्मियों द्वारा सेना के मिशन पर सार्वजनिक रूप से सवाल उठाना अस्वीकार्य है। सेना ने स्पष्ट किया कि हस्ताक्षरकर्ताओं में से केवल 60 सक्रिय रिजर्विस्ट थे, जिनमें से कुछ पायलट थे और अधिकांश मुख्यालय की भूमिकाओं में सेवारत थे। शेष 900 सेवानिवृत्त थे या सेना के लिए अज्ञात थे। पत्र के प्रकाशन से पहले IDF के साथ चर्चा के बाद लगभग 40 रिजर्विस्ट ने अपने हस्ताक्षर वापस ले लिए। यह ताजा कार्रवाई रिजर्विस्ट नाविक एलन गुर की बर्खास्तगी के बाद की गई है, जिन्हें सोशल मीडिया पर यह पोस्ट करने के बाद स्थायी रूप से बर्खास्त कर दिया गया था कि इजरायल अपने नागरिकों को छोड़ रहा है और राजनीतिक हितों को प्राथमिकता दे रहा है। गुर का बयान उस दिन आया जब इजरायल ने पिछले महीने की शुरुआत में हमास के साथ युद्धविराम समझौते को छोड़ दिया था। नए सिरे से शुरू किए गए सैन्य अभियान ने रिजर्विस्टों के बीच सार्वजनिक विरोध और भ्रम को जन्म दिया है, जो बार-बार बुलाए जाने से व्यक्तिगत और वित्तीय तनाव का सामना कर रहे हैं।

चीन जल-थल-नभ में अमेरिका को पछाड़ रहा... अमेरिकी इंडो-पैसिफिक कमांडर ने क्यों जताया डर

एजेंसी वॉशिंगटन

अमेरिकी इंडो-पैसिफिक कमांड के प्रमुख एडमिरल सैमुअल पापारो ने गुरुवार को ताइवान के पास चीन की सैन्य उपस्थिति के बारे में चिंता जताई। उन्होंने कहा कि चीन का हालिया युद्धाभ्यास सामान्य अभ्यासों से कहीं अधिक गंभीर है। पापारो ने यूएस कांग्रेस की सीनेट सशस्त्र सेवा समिति को संबोधित करते हुए कहा, "ताइवान के खिलाफ सैन्य दबाव 300% बढ़ने के साथ, उसके पास चीन की बढ़ती आक्रामक कार्रवाइयां केवल अभ्यास नहीं, बल्कि हमले का रिहर्सल हैं।" उन्होंने अमेरिका-चीन सैन्य शक्ति पर भी गंभीर टिप्पणी की। उन्होंने चीन के रणनीतिक बदलाव को व्यापक आधुनिकीकरण प्रयास का हिस्सा बताया, जो न केवल ताइवान बल्कि पूरे क्षेत्र में अमेरिकी हितों और सहयोगियों के लिए भी खतरा है। उन्होंने जोर देकर कहा, "चीन की अभूतपूर्व आक्रामकता और सैन्य आधुनिकीकरण मातृभूमि, हमारे सहयोगियों और हमारे भागीदारों के लिए एक गंभीर खतरा है।" उन्होंने बीजिंग की कार्रवाइयों से उत्पन्न बढ़ती क्षेत्रीय अस्थिरता पर गंभीर चिंता जताई। ताइवान खुद को एक स्वतंत्र, संप्रभु राष्ट्र मानता है। वहीं, चीन इसे "एक चीन" नीति के तहत आधिकारिक तौर पर अपना हिस्सा मानता है। हालांकि चंद छोटे देशों को छोड़कर पूरी दुनिया और अंतरराष्ट्रीय संगठन ताइवान को एक स्वतंत्र देश के रूप में नहीं देखते हैं। इस बीच दक्षिण चीन सागर में तनाव बढ़ता जा रहा है क्योंकि बीजिंग ताइवान को मुख्य भूमि के साथ "पुनर्मिलन" करने के प्रयासों को आगे बढ़ा रहा है, एक ऐसा लक्ष्य जिसके बारे में वाशिंगटन और ताइपे दोनों ने चेतावनी दी है कि यह इंडो-पैसिफिक में संतुलन को बिगाड़ देगा। एडमिरल ने बताया कि ताइवान को अधीन करने के बजाय, चीन की आक्रामक मुद्रा का विपरीत प्रभाव पड़ रहा है। उन्होंने कहा, "जबकि [पीपुल्स लिबरेशन आर्मी] पीएलए ताइवान के लोगों को डराने और जबरदस्ती करने की क्षमता का प्रदर्शन करने का प्रयास करती है, ये कार्रवाइयां उलटी पड़ रही हैं, जिससे वैश्विक ध्यान बढ़ रहा है और ताइवान की अपनी रक्षा तैयारियां तेज हो रही हैं।" ताइवान जलडमरूमध्य से परे, पापारो ने सांसदों को चीन के सैन्य उत्पादन में तेजी लाने के व्यापक निहितार्थों के बारे में भी आगाह किया। उन्होंने कहा, "चीन हवाई मिसाइल, समुद्री और अंतरिक्ष क्षमता में संयुक्त राज्य अमेरिका से आगे निकल रहा है और इनमें तेजी ला रहा है।" उन्होंने एक स्पष्ट तुलना की, जिसमें उन्होंने कहा कि चीनी सेना संयुक्त राज्य अमेरिका की तुलना में 1.2 गुना अधिक गति से लड़ाकू जेट का निर्माण कर रही है और नौसेना के जहाजों, उन्नत मिसाइलों और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकियों के उत्पादन में भी अमेरिका से आगे निकल रही है। पापारो ने निष्कर्ष निकाला, "मुझे हमारी निवारक मुद्रा पर भरोसा है, लेकिन प्रक्षेपवक्र को बदलना होगा," उन्होंने अमेरिकी रक्षा नवाचार और तत्परता के लिए एक तत्काल आह्वान का संकेत दिया।

मेलबर्न में भारतीय वाणिज्य दूतावास पर फिर हमला, दीवारों पर रंग पोते, ऑस्ट्रेलिया ने चुप्पी साधी

एजेंसी मेलबर्न

मेलबर्न में भारत के महावाणिज्य दूतावास पर एक बार फिर हमला हुआ है। के 344 सेंट किल्डा रोड पर स्थित है। यहां भारतीय राजनयिक परिसर के मुख्य प्रवेश द्वार पर हमलावरों ने रंग पोत दिए हैं। रिपोर्ट के अनुसार, हमले की यह घटना कथित तौर पर 10 अप्रैल की रात लगभग 1:00 बजे हुई। विक्टोरिया पुलिस ने ऑस्ट्रेलिया टुडे को पुष्टि की कि मेलबर्न में भारत के वाणिज्य दूतावास की इमारत पर हमले की रिपोर्ट के बाद 10 अप्रैल की सुबह अधिकारी मौके पर पहुंचे। विक्टोरिया पुलिस प्रवक्ता ने कहा, "अधिकारियों का मानना है कि इमारत के मुख्य प्रवेश द्वार पर बुधवार 9 और गुरुवार 10 अप्रैल के बीच रात को रंग पोते गए थे। नुकसान की जांच अभी भी जारी है।" हालांकि, इस बर्बरतापूर्ण घटना ने भारतीय-ऑस्ट्रेलियाई समुदाय के भीतर चिंता को फिर से जगा दिया है, जिसने मेलबर्न में हिंदू मंदिरों पर हमले और भारतीय सरकारी प्रतिष्ठानों को निशाना बनाकर की जाने वाली घटनाओं के बढ़ते पैटर्न पर निराशा व्यक्त की है। समुदाय के नेताओं का कहना है कि धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व के स्थानों पर बार-बार होने वाले हमले बेहद दुखद हैं और ऑस्ट्रेलिया के सबसे बहुसांस्कृतिक राज्य में सामाजिक सामंजस्य को कमजोर करते हैं। स्थानीय भारतीय-ऑस्ट्रेलियाई समुदाय का कहना है कि यह सिर्फ साधारण हमले की घटना नहीं है, बल्कि यह हमारे समुदाय को डराने-धमकाने का संदेश है। यह पहली बार नहीं है, जब ऑस्ट्रेलिया में भारत के महावाणिज्यिक दूतावास को निशाना बनाया गया है। पिछले कुछ वर्षों में कई बार भारतीय दूतावास और वाणिज्य दूतावासों पर हमले हुए हैं। इन हमलों के पीछे पाकिस्तान समर्थित खालिस्तानी आतंकवादियों का हाथ बताया जाता है। हालांकि, इस हमले को लेकर भारतीय वाणिज्य दूतावास के अधिकारियों द्वारा कोई सार्वजनिक बयान जारी नहीं किया गया है। भारतीय प्रवासियों के सूत्रों ने पुष्टि की है कि इस मामले को वरिष्ठ विक्टोरियन अधिकारियों और कैनबरा में भारतीय उच्चायोग के समक्ष उठाया गया है। पुलिस ने इसकी पुष्टि नहीं की है कि किसी संदिग्ध की पहचान की गई है या नहीं, न ही इस बात की पुष्टि की है कि क्षेत्र से सुरक्षा फुटेज की समीक्षा की जा रही है। अधिकारी किसी भी व्यक्ति से आगे आने का आग्रह कर रहे हैं, जिसके पास कोई जानकारी है। पुलिस प्रवक्ता ने कहा, "जिन लोगों के पास ऐसी जानकारी है जो पुलिस की सहायता कर सकती है, उनसे 1800 333 000 पर क्राइम स्टॉपर्स से संपर्क करने या www.crimestoppersvic.com.au पर गोपनीय रिपोर्ट जमा करने का आग्रह किया जाता है।" हाल के महीनों में, विक्टोरिया पुलिस और राज्य सरकार ने घृणा-आधारित अपराधों और बर्बरता पर नकेल कसने का संकल्प लिया है, विशेष रूप से आस्था-आधारित संस्थानों को निशाना बनाने वालों पर।

इजरायल ने सीरिया में तोड़ा तुर्की के 'खलीफा' का सपना तो बिलबिलाया पिछलग्गू पाकिस्तान, संयुक्त राष्ट्र में उगला जहर

एजेंसी इस्लामाबा

सीरिया में S-400 मिसाइलें तैनात कर सैन्य अड्डा बनाने का सपना देख रहे तुर्की के राष्ट्रपति रेसेप तैयप एर्दोगन के सपने को इजरायल ने अपने फाइटर जेट से तबाह कर दिया है। इजरायल के आक्रामक सैन्य अभियान के बाद तुर्की बैकफुट पर आ गया है और उसने अजरबैजान में यहूदी देश के साथ बातचीत शुरू की है। इस बीच तुर्की के पिछलग्गू पाकिस्तान ने इस्लामिक देशों का खलीफा बनने की फिराक में लगे एर्दोगान को खुश करने के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सीरिया में इजरायल के हमले के मुद्दे को उठाया है। पाकिस्तान ने कहा कि इजरायल का सीरिया में हमला अंतरराष्ट्रीय कानूनों का उल्लंघन है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के अस्थायी सदस्य पाकिस्तान ने इजरायल के खिलाफ अपने एजेंडे को बढाते हुए कहा कि इजरायल का हमला सीरिया की राजनीतिक स्थिरता और राष्ट्रीय मेल मिलाप को कमजोर करता है। इससे पहले इजरायल ने सीरिया के कई सैन्य ठिकानों को तबाह करके वहां के नए एचटीएस शासकों को बता दिया था कि वे तुर्की को इस इलाके से दूर रखें। इजरायल ने साफ तौर पर तुर्की को भी बता दिया है कि सीरिया उसके लिए रेड लाइन है। इजरायल का कहना है कि तुर्की सीरिया में अपना प्रभाव जमाने के लिए सैन्य अड्डा बनाना चाहता है। दरअसल, इजरायल सीरिया के हवाई क्षेत्र में घुसकर ईरान पर हमले करता है। अगर तुर्की यहां अपना बेस बना लेता है तो इजरायल के लिए यह करना संभव नहीं रह जाएगा। तुर्की का इरादा यहां पर बेहद शक्तिशाली रूसी एस 400 एयर डिफेंस सिस्टम तैनात करने का है। इसके अलावा इजरायल को डर सता रहा है कि सैन्य अड्डा बन जाने से तुर्की उसकी सीमा के पास पहुंच जाएगा जो ईरान के मुकाबले ज्यादा ताकतवर देश है। तुर्की नाटो का सदस्य है और दुनियाभर में अपनी ड्रोन ताकत के लिए जाना जाता है। संयुक्त राष्ट्र में पाकिस्तान के राजदूत असीम इफ्तिखार अहमद ने कहा कि हम एक बेहद चिंताजनक पैटर्न को देख रहे हैं। इजरायल की ओर से लगातार बिना उकसावे के सैन्य हमले किए जा रहे हैं। यह साल 1974 के समझौते का बार बार उल्लंघन है। इजरायल ने सीरिया की सीमा के अंदर अवैध तरीके से सेना को तैनात कर रखा है। पाकिस्तानी दूत ने दावा किया कि इजरायल के सीरिया में हमले में आम नागरिक मारे जा रहे हैं। उन्होंने सुरक्षा परिषद से अपील की कि इजरायल को हमले करने से रोकें।

अमेरिका के ट्रेड वॉर से नहीं डरते... चीन के राष्ट्रपति जिनपिंग ने तोड़ी चुप्पी, ट्रंप के 145 प्रतिशत टैरिफ पर दिया करारा जवाब

एजेंसी बीजिंग

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 145 प्रतिशत टैरिफ लगाकर भीषण टैरिफ वार शुरू करने के बाद चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने पहली बार चुप्पी तोड़ी है। जिनपिंग ने कहा कि उनका देश अमेरिका के ट्रेड वार से नहीं डरता है। जिनपिंग ने कहा, 'एक ट्रेड वार में कोई भी विजेता नहीं होता है और दुनिया के खिलाफ जाने से केवल अकेलापन मिलेगा।' शुक्रवार को स्पेन के प्रधानमंत्री पेड्रो सांचेज के साथ मुलाकात के बाद चीन के राष्ट्रपति ने यह बयान दिया। शी जिनपिंग के इस बयान से साफ है कि ट्रंप की मंशा के उलट चीन अमेरिका के साथ कोई समझौता करने के मूड में नहीं है। इस ट्रेड वार की वजह से दुनियाभर के शेयर बाजार हिले हुए हैं और आर्थिक मंदी की आशंका बढ़ती जा रही है। जिनपिंग ने ट्रंप के टैरिफ को एकतरफा दादागिरी करार दिया और यूरोपीय देशों को चेतावनी की कि वे इससे निपटने में चीन की मदद करें। चीन के सरकारी टीवी चैनल सीसीटीवी ने शी के हवाले से कहा, 'पिछले 70 साल से चीन का विकास आत्मनिर्भरता और कठोर परिश्रम पर आधारित है। यह किसी का दिया हुआ नहीं है। चीन किसी भी अन्यायपूर्ण दमन से डरता नहीं है।' उन्होंने कहा कि बाहरी माहौल में बदलाव के अनुसार ही चीन आत्मविश्वास से लबरेज रहेगा और अपने मामलों को पूरा फोकस बनाए रखेगा और उनका प्रबंधन करेगा। बता दें कि अमेरिका द्वारा शुल्क बढ़ाए जाने के बाद चीन भारत समेत अन्य देशों से संपर्क साध रहा है और ऐसा प्रतीत होता है कि बीजिंग अमेरिका को कदम पीछे हटाने के लिए मजबूर करने के वास्ते संयुक्त मोर्चा बनाने का प्रयास कर रहा है। चीन के गहन प्रयासों के बावजूद उसे कोई खास सफलता नहीं मिल रही है क्योंकि अधिकतर देश अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के व्यापार युद्ध के केन्द्र में आए चीन के साथ गठजोड़ के इच्छुक नहीं प्रतीत हो रहे। वैश्विक बाजार में मंदी की आशंका के बीच बुधवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने ज्यादातर देशों पर लगाए गए शुल्क को अचानक 90 दिनों के लिए स्थगित करने का फैसला किया, हालांकि उन्होंने चीन से आयात पर शुल्क की दर बढ़ाकर 125 प्रतिशत कर दी है। यह 20 प्रतिशत पहले से है। ट्रंप ने कहा कि ये देश अधिक अनुकूल शर्तों पर बातचीत करने के लिए राजी हैं। चीन ने बातचीत करने से इनकार कर दिया था और कहा था कि अमेरिका 'मक्कार' है और वह शुल्क युद्ध में "अंत तक लड़ेगा"। इसके बाद ट्रंप ने चीनी आयात पर कर की दर को और बढ़ाकर 125 प्रतिशत कर दिया। चीन ने जवाबी कार्रवाई करते हुए अमेरिकी वस्तुओं पर 84 प्रतिशत शुल्क लगा दिया है, जो बृहस्पतिवार से प्रभावी हो गया है। चीन के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता लिन जियान ने कहा, 'उचित कारण हो तो कई लोग उसे समर्थन देते हैं। अमेरिका लोगों का समर्थन नहीं जीत सकता और अंत में विफल हो जाएगा।' इन घटनाक्रम के बीच चीन ने अब यूरोप पर ध्यान केंद्रित किया है। चीन के प्रधानमंत्री ली कियांग और यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन के बीच फोन पर बातचीत हुई जिसके जरिए 'दुनिया को एक सकारात्मक संदेश देने की कोशिश की गई है।' दोनों एक दूसरे के सबसे बड़े व्यापारिक साझेदार हैं।

आईपीएल 2025 में धूम मचा रहे हैं इस टीम के कप्तान, मैदान पर उतरते ही मचाते हैं गदर

एजेंसी नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग 2025 में पंजाब किंग्स के कप्तान और विस्फोटक बल्लेबाज श्रेयस अय्यर इस सीजन में अब तक एकमात्र ऐसे कप्तान हैं जिन्होंने अभी तक 200 की स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं और उनका औसत भी 80 से ऊपर है। श्रेयस अय्यर ने चार मैच खेले हैं और 168 रन बनाए हैं। 97 रन उनका सर्वाधिक स्कोर रहा है। अब तक अय्यर के बल्ले से 10 चौके 14 छक्के निकले हैं। पंजाब किंग्स के लिए अय्यर ने दो पारियों में दो हाफ सेंचुरी भी लगाई है। हालांकि, बीते दो मैच में उनका बल्ला नहीं चला है, बावजूद उनकी स्ट्राइक रेट अन्य कप्तानों की तुलना में सबसे ज्यादा है। वहीं, मुंबई इंडियंस के कप्तान हार्दिक पांड्या ने 168.75 की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की है। पांड्या ने चार मैच की तीन पारियों में 81 रन बनाए। पांड्या के बल्ले से 6 चौके और 5 छक्के निकले हैं। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के कप्तान रजत पाटीदार ने इस सीजन में अब तक 161.74 की स्ट्राइक रेट के साथ रन बनाए हैं। पाटीदार ने 5 मैच की 5 पारियों में 186 रन बनाए। 17 चौके और 9 छक्के जड़ चुके हैं। रजत के बल्ले से दो हाफ सेंचुरी भी आई है और उन्हें दो बार प्लेयर ऑफ द मैच अवार्ड भी दिया गया है। कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान अजिंक्य रहाणे भी शामिल हैं। उन्होंने 160.00 की स्ट्राइक रेट से पांच मैच की पांच पारियों में 184 रन बनाए हैं। रहाणे के बल्ले से 17 चौके और 12 छक्के निकले हैं। राजस्थान रॉयल्स के कप्तान संजू सैमसन ने 150.85 की स्ट्राइक रेट के साथ 5 मैच की 5 पारियों में 178 रन बनाए हैं। सैमसन के बल्ले से 20 चौके और 7 छक्के निकले। हालांकि, संजू शुरुआती मैचों में कप्तानी के लिए उपलब्ध नहीं थे। उनकी जगह रियान पराग ने कप्तानी की थी। लेकिन, संजू एक बार फिर से टीम की कमान अपने हाथों में ले चुके हैं। फैंस को उम्मीद है कि आने वाले मैचों में उनकी बल्लेबाजी का दमखम देखने के लिए मिलेगा। चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ ने 150.61 की स्ट्राइक रेट से 5 मैच की 5 पारियों में 122 रन बनाए। 14 चौके और 4 छक्के जड़े। गायकवाड़ ने दो पारियों में सीएसके के लिए हाफ सेंचुरी भी लगाई। गुजरात टाइटंस के कप्तान शुभमन गिल ने 146.53 की स्ट्राइक रेट से 5 मैच की पांच पारियों में 148 रन बनाए। गिल के बल्ले से 16 चौके और 5 छक्के निकले। दिल्ली कैपिटल्स के बॉलिंग ऑलराउंडर कप्तान अक्षर पटेल ने 4 मैच की 3 पारियों में 161.11 की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की। अक्षर ने 56 रन बनाए हैं। अक्षर के बल्ले से 7 चौके और 2 गगनचुंबी छक्के निकले हैं। ऐसे ही सनराइजर्स हैदराबाद के कप्तान पैट कमिंस भी मुख्य तौर पर गेंदबाजी करते हैं। बल्लेबाजी में कमिंस ने 155.55 की स्ट्राइक रेट से 5 मैच की 5 पारियों में 56 रन बनाए। उनके बल्ले से 5 चौके और 4 छक्के भी आए। सबसे निचले स्थान पर हैं लखनऊ सुपरजाइंट्स के कप्तान ऋषभ पंत, जिन्होंने सिर्फ 59.37 की स्ट्राइक रेट से बल्लेबाजी की। पंत ने 5 मैच की चार पारियों में महज 19 रन बनाए। पंत के बल्ले से इस सीजन में एकमात्र छक्का ही लगा है।

सीएसके के लिए अब चलेगा कैप्टन माही का मैजिक, जानें टॉस के बाद क्या-क्या बोले धोनी

एजेंसी नई दिल्ली

चेन्नई सुपर किंग्स के दिग्गज महेंद्र सिंह धोनी तीन साल बाद एक बार फिर से टीम के लिए कप्तानी करने मैदान पर उतरे। इंडियन प्रीमियर लीग 2025 के 25वें मैच में कोलकाता नाइटराइडर्स के खिलाफ मैच में धोनी टॉस के लिए आए। धोनी ने आखिरी बार साल 2023 में सीएसके के लिए कप्तानी की थी। इसके बाद रुतुराज गायकवाड़ इस जिम्मेदारी को संभाल रहे थे, लेकिन कोहनी में चोट के कारण वह इस सीजन से बाहर हो गए। ऐसे में बीच सीजन में महेंद्र सिंह धोनी को सीएसके की कप्तानी करनी पड़ रही है। मैच में सीएसके के खिलाफ केकेआर कप्तान अजिंक्य रहाणे ने टॉस जीतने के बाद सीएसके को पहले बल्लेबाजी के लिए बुलाया। टॉस के बाद पहले बैटिंग को लेकर धोनी ने कहा, हम पहले बल्लेबाजी ही करना चाहते थे। कई मौकों पर हमने लक्ष्य का पीछा करने की कोशिश की और हमने पाया कि विकेट थोड़ा धीमा हो गया है, इसलिए अगर आपको अच्छी शुरुआत नहीं मिलती है तो

मध्यक्रम दबाव में आ जाता है।' केकेआर के खिलाफ टॉस के बाद धोनी से नियमित कप्तान रुतुराज गायकवाड़ के बारे में भी पूछा गया। धोनी ने कहा, रुतुराज के कोहनी में फ्रैक्चर है, इसलिए वह टूर्नामेंट से बाहर हो गए हैं। वह एक बहुत ही प्रामाणिक बल्लेबाज हैं, जो गेंद को अच्छी तरह से टाइम करते हैं। तो हां, उनकी कमी खलेगी। अब यह हमारे लिए हर मैच महत्वपूर्ण है। हमने बहुत सारे मैच हारे हैं और अब बुनियादी बातों को सही करना जरूरी है। उन्होंने कहा, 'डॉट बॉल रखना, अपने कैच लेना। कुछ गेम हम बड़े अंतर से हारे, लेकिन इसके अलावा यह छोटी-छोटी चीजों के बारे में था। एक ओवर में 20 रन देना। हमारे बल्लेबाज बल्लेबाज के रूप में अधिक प्रामाणिक हैं, वे हर चीज पर जोर नहीं देते। उन्हें बस अपनी प्रवृत्ति पर भरोसा करने की जरूरत है। अच्छी शुरुआत करना, शुरुआत में बाउंड्री लगाना और शुरुआती विकेट लेने की कोशिश करना जरूरी है।'

अब पिच पर फाड़ा बिल... आरसीबी की हार के बाद बवाल, चिन्नास्वामी के क्यूरेटर की क्या गलती

एजेंसी बेंगलुरु

रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के मेंटर (मार्गदर्शक) दिनेश कार्तिक ने कहा कि बल्लेबाजी के लिए अनुकूल पिच की मांग करने के बावजूद इस सीजन में उनकी टीम को चिन्नास्वामी स्टेडियम में चुनौतीपूर्ण पिच मिली हैं और उन्होंने कहा कि टीम प्रबंधन इस संदर्भ में जल्द ही क्यूरेटर के साथ बात करेगा। आरसीबी के बल्लेबाज इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के वर्तमान सीजन में घरेलू मैदान पर खेले दो मैच में पिच धीमी होने के कारण अपेक्षित प्रदर्शन नहीं कर पाए। गुजरात टाइटंस के खिलाफ उसकी टीम ने 8 विकेट पर 169 रन और दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ 7 विकेट पर 163 रन बनाए। कार्तिक का मानना है कि उनकी टीम को घरेलू परिस्थितियों का लाभ मिलना चाहिए था। यहां की पिच पर अमूमन बड़े स्कोर बनते रहे हैं। कार्तिक ने दिल्ली के खिलाफ मैच के बाद कहा, 'पहले दो मैच में हमने अच्छी पिच तैयार करने के लिए कहा था लेकिन हमें इस तरह की पिच मिली जिस पर बल्लेबाजी करना चुनौतीपूर्ण था। इसलिए हमने परिस्थितियों के अनुसार अपना सर्वश्रेष्ठ प्रयास किया लेकिन हमें उनसे (क्यूरेटर) बात करनी होगी। हमें पूरा भरोसा है कि वह अपना काम अच्छी तरह से करेंगे।' उन्होंने कहा, 'इसलिए निश्चित तौर पर यहां ऐसी पिच नहीं थी जिसे बल्लेबाजों को खास मदद मिल रही हो। यह चुनौतीपूर्ण पिच थी। अभी तक यहां खेले गए दोनों मैच में हमें एक जैसी पिच ही मिली है।' कार्तिक ने कहा कि टी20 क्रिकेट में लंबे शॉट और चौके छक्के काफी मायने रखते हैं और सभी हितधारक ऐसा चाहते हैं। उन्होंने कहा, 'टी20 क्रिकेट की प्रकृति ऐसी है कि इसमें जितने अधिक रन बनेंगे उतना प्रसारक को फायदा होगा और फैंस को भी खुशी होगी। वे सभी चौके छक्के देखना चाहते हैं। हम जो कर सकते हैं उसके लिए अपनी तरफ से सर्वश्रेष्ठ प्रयास करेंगे।' भारत के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज ने कहा कि वे मैच में किसी विशेष पैटर्न का पालन करने की कोशिश नहीं करते हैं, लेकिन चिन्नास्वामी जैसी पिचों के कारण बल्लेबाजों के लिए स्ट्राइक रोटेट करना भी मुश्किल हो जाता है। उन्होंने कहा, 'प्रत्येक पिच पर हम यह समझने की कोशिश करेंगे कि इस पर खेलने का सही तरीका क्या है। मुझे नहीं लगता है कि हमने इसके लिए कोई विशेष खाका तैयार किया है। पिच को समझना और उससे तालमेल बिठाना महत्वपूर्ण होता है।' कार्तिक ने कहा, 'लेकिन इस तरह की पिच पर कभी स्ट्राइक रोटेट करना मुश्किल हो जाता है और बड़े शॉट खेलना भी आसान नहीं होता। लेकिन आखिर में यह टी20 है। आपको कुछ शॉट खेलने ही होंगे और इस प्रक्रिया में आपका विकेट भी जा सकता है।'

जुनून की सारी हदें पार... 64 साल की उम्र में डेब्यू, क्रिकेट के खेल में हुआ गजब अजूबा

एजेंसी नई दिल्ली

अंग्रेजी में एक कहावत है... एज इज जस्ट आ नंबर। खेल के मैदान पर अक्सर कई ऐसे उम्रदराज खिलाड़ी देखे गए हैं जिनकी उम्र का उनके खेल पर कोई असर नहीं पड़ता। ऐसा ही एक उदाहरण अब क्रिकेट के मैदान से सामने आया है। पुर्तगाल की 64 वर्षीय जोआना चाइल्ड ने हाल ही में नॉर्वे के खिलाफ तीन मैचों की टी20आई क्रिकेट सीरीज में इतिहास रच दिया। वह सबसे उम्रदराज टी20आई क्रिकेट में डेब्यू करने वाली दूसरी खिलाड़ी बन गईं। जोआना चाइल्ड से आगे जिब्राल्टर की सैली बार्टन हैं, जिन्होंने 66 साल और 334 दिन की उम्र में डेब्यू किया था। चाइल्ड ने फ़ॉकलैंड द्वीप के एंड्रयू ब्राउनली और केमैन के मैली मूर जैसे पिछले रिकॉर्ड धारकों को पीछे छोड़ दिया। चाइल्ड ने सीरीज में पहले टी20आई मैच में दो रन बनाए। बाद के मैचों में उन्हें बल्लेबाजी करने का मौका नहीं मिला। उन्हें दूसरा मैच में गेंदबाजी का मौका मिला, जहां उन्होंने चार गेंदें फेंकी और

बिना कोई विकेट लिए 11 रन दिए। पुर्तगाल की टीम की कप्तान सारा फू-रलैंड, जिनकी उम्र 44 साल है, ने चाइल्ड की प्रशंसा करते हुए उन्हें 'देश के कई क्रिकेटरों के लिए प्रेरणा' बताया। पुर्तगाली टीम में उम्र की विविधता देखने को मिली। 15 साल की इशरीत चीमा, और 16 साल की मरियम वसीम और अफशीन अहमद जैसे तीन किशोर खिलाड़ियों ने चाइल्ड के साथ खेला। पुर्तगाल और नॉर्वे के बीच की सीरीज काफी रोमांचक रही। जोआना चाइल्ड ने क्रिकेट की दुनिया में एक नया मुकाम हासिल किया है। 64 साल की उम्र में उन्होंने टी20आई क्रिकेट में डेब्यू किया है। उन्होंने नॉर्वे के खिलाफ खेलते हुए यह उपलब्धि हासिल की। वह सबसे उम्रदराज महिला क्रिकेटर हैं, जिन्होंने इस फॉर्मेट में डेब्यू किया है। उनसे पहले सैली बार्टन ने 66 साल की उम्र में डेब्यू किया था। पहले मैच में पुर्तगाल ने 109 रन बनाए और 16 रनों से जीत हासिल की। नॉर्वे ने दूसरे मैच में वापसी की और 137 रनों का लक्ष्य 8 गेंद शेष रहते हासिल कर लिया। उन्होंने 5 विकेट से जीत दर्ज की। निर्णायक मैच पुर्तगाल ने जीता। उन्होंने नॉर्वे के 125 रनों के लक्ष्य को 9 विकेट शेष रहते हासिल कर लिया। इस तरह पुर्तगाल ने सीरीज अपने नाम कर ली। जोआना चाइल्ड को ज्यादा मौके नहीं मिले। उन्होंने सिर्फ एक मैच में बल्लेबाजी की, जिसमें उन्होंने 2 रन बनाए। उन्हें एक मैच में गेंदबाजी भी मिली, जिसमें उन्होंने 11 रन दिए और कोई विकेट नहीं ले पाईं।

व्यापार

बांग्लादेश बनेगा पाकिस्तान... भारत ने जो सुविधा की बंद वो लाएगा बर्बादी, नहीं बचा पाएगा मौकापरस्त चीन

एजेंसी नई दिल्ली

दुनिया में पाकिस्तान जो कटोरा लेकर घूम रहा है, वही बांग्लादेश थामने वाला है। वह पूरी तरह बर्बादी की राह पर बढ़ चला है। चीन की तरफदारी उसे महंगी पड़ने वाली है। भारत ने बांग्लादेश को दी जा रही एक खास सुविधा को रद्द कर दिया है। यह सुविधा बांग्लादेश को भारतीय जमीन के रास्ते दूसरे देशों को सामान भेजने में मदद करती थी। यह फैसला मुहम्मद यूनुस की चीन यात्रा के बाद लिया गया। यूनुस ने भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को 'समुद्र तक पहुंच से वंचित' बताया था। उन्होंने बांग्लादेश को 'क्षेत्र में समुद्र का एकमात्र रक्षक' बताया था। साथ ही कहा था कि चीन के पास अपना आर्थिक प्रभाव बढ़ाने का मौका है। वैसे, भारत ने साफ किया है कि इस फैसले से नेपाल और भूटान को होने वाले निर्यात पर कोई असर नहीं पड़ेगा। यह फैसला इसलिए लिया गया क्योंकि इससे देरी हो रही थी। लागत बढ़ रही थी। भारत के निर्यात में भी रुकावट आ रही थी। यह सुविधा जून 2020 में शुरू की गई थी। इससे बांग्लादेश को भूटान, नेपाल और म्यांमार जैसे देशों को सामान भेजने में आसानी होती थी। अब यह सुविधा बंद होने से बांग्लादेश का निर्यात महंगा हो जाएगा। भारत से बांग्लादेश को मिली इस सुविधा का

नाम है ट्रांस-शिपमेंट फैसिलिटी। ट्रांस-शिपमेंट सुविधा का मतलब है कि एक देश से दूसरे देश में सामान भेजने के लिए किसी तीसरे देश के बंदरगाह या हवाई अड्डे का इस्तेमाल करना। भारत ने 2020 में बांग्लादेश को यह सुविधा दी थी। इससे बांग्लादेश अपने सामान को भारतीय बंदरगाहों और हवाई अड्डों के जरिए दूसरे देशों में भेज सकता था। हालांकि, इस सुविधा की वजह से भारतीय बंदरगाहों और हवाई अड्डों पर बहुत भीड़ हो गई। इससे भारतीय निर्यातकों को परेशानी होने लगी। उनका सामान समय पर नहीं पहुंच पा रहा था। उन्हें ज्यादा किराया देना पड़ रहा था। लिहाजा, भारतीय निर्यातकों ने सरकार से इस सुविधा को रद्द करने की मांग की थी। हालांकि, अपना नुकसान होने के बावजूद भारत ने पड़ोसी देश के लिए इस सुविधा को खुला रखा। यह उसकी तरक्की में मदद के लिए भारत की ओर से तोहफा जैसा था। यह और बात है कि बांग्लादेश के अंतरिम सरकार के मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस ने चीन यात्रा के दौरान भारत के बारे में कुछ ऐसी बातें कहीं जो भारत को पसंद नहीं आईं। उन्होंने भारत के पूर्वोत्तर राज्यों को समुद्र तक पहुंच से वंचित बताया। साथ ही बांग्लादेश को क्षेत्र में समुद्र का एकमात्र रक्षक करार दिया। इससे भारत को लगा कि बांग्लादेश चीन को बढ़ावा दे रहा है। इन सब बातों को ध्यान में रखते हुए भारत सरकार ने ट्रांस-शिपमेंट सुविधा को रद्द करने का फैसला किया। सरकार का कहना है कि इस फैसले से भारतीय बंदरगाहों और हवाई अड्डों पर भीड़ कम होगी। भारतीय निर्यातकों को फायदा होगा। अब आंकड़ों से यह भी समझते हैं कि बांग्लादेश ने इस सुविधा से कितना तगड़ा फायदा उठाया है। पश्चिम बंगाल के उत्तर 24 परगना जिले में पेट्रापोल भूमि बंदरगाह पर भारत के रास्ते दोबारा निर्यात के लिए बांग्लादेश से भेजा जाने वाला पारगमन माल (ट्रांजिट गुड्स) वित्त वर्ष 2023-24 और 2024-25 के दौरान 46 फीसदी बढ़ गया। हालांकि, ट्रांस-शिपमेंट सुविधा रद्द होने के बाद बांग्लादेश का पारगमन माल से लदा कोई भी ट्रक 9 अप्रैल से पेट्रापोल सीमा से नहीं आया।

बाजार में ताबड़तोड़ तेजी फिर क्या ऐसा हुआ कि पूरा मूड हो गया खराब

एजेंसी नई दिल्ली

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने लगाए गए टैरिफ को टाल दिया है। इसके बाद गुरुवार को शेयर बाजार में जोरदार तेजी देखने को मिली। बीएसई सेंसेक्स 1,310 अंक ऊपर चला गया। इस ताबड़तोड़ तेजी के बाद निवेशकों के चेहरे खिल गए। हालांकि, फरवरी में देश के औद्योगिक उत्पादन की रफ्तार धीमी होने की खबर ने इस खुशी पर ग्रहण लगाने का काम किया। यह छह महीने के सबसे निचले स्तर 2.9 फीसदी पर आ गई। ऐसा मैन्यूफैक्चरिंग, खनन और बिजली क्षेत्रों के खराब प्रदर्शन के कारण हुआ। देश के औद्योगिक उत्पादन की रफ्तार फरवरी में धीमी होकर 2.9 फीसदी हो गई। यह पिछले छह महीनों में सबसे कम है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, मैन्यूफैक्चरिंग, माइनिंग और बिजली जैसे क्षेत्रों में खराब प्रदर्शन के कारण ऐसा हुआ। औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (IIP) के मुताबिक, फरवरी 2024 में औद्योगिक उत्पादन में 5.6 फीसदी की ग्रोथ हुई थी। सरकार ने जनवरी 2025 के लिए औद्योगिक विकास के आंकड़े को बदलकर 5.2 फीसदी कर दिया है। पहले मार्च में जारी आंकड़ों

में इसके 5 फीसदी रहने का अनुमान था। इससे पहले, सबसे निचला स्तर पिछले साल अगस्त में था। उस समय विकास दर 0 फीसदी पर स्थिर थी। रेटिंग एजेंसी इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा, '...पिछले साल फरवरी में 29 दिन होने के कारण तुलनात्मक आधार कमजोर रहा। IIP की सालाना ग्रोथ इस साल फरवरी में घटकर 2.9 फीसदी रही...गिरावट हर तरफ थी। उपयोग आधारित वस्तुओं समेत बिजली को छोड़कर दो क्षेत्रों में विकास दर धीमी हुई है। इसके कारण इस साल फरवरी में सालाना आधार पर वृद्धि कम हुई है।' उन्होंने आगे कहा, 'फरवरी 2025 की तुलना में मार्च 2025 में खनन का प्रदर्शन खराब होने की आशंका है। हालांकि, विनिर्माण क्षेत्र में वृद्धि बनी रहने के बीच इसकी भरपाई बिजली उत्पादन बढ़ने से होने की उम्मीद है।' इसका मतलब है कि खनन क्षेत्र में विकास धीमा हो सकता है, लेकिन बिजली उत्पादन बढ़ने से मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर को मदद मिल सकती है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के आंकड़ों के अनुसार, मैन्यूफैक्चरिंग क्षेत्र की उत्पादन वृद्धि फरवरी 2025 में धीमी होकर 2.9 फीसदी रही। पिछले साल इसी महीने में यह 4.9 फीसदी थी। इसका मतलब है कि मैन्यूफैक्चरिंग सेक्टर में उत्पादन की गति धीमी हो गई है। खनन उत्पादन ग्रोथ इस महीने में 1.6 फीसदी रही। पिछले साल फरवरी में यह 8.1 फीसदी थी। इससे पता चलता है कि खनन क्षेत्र में भी उत्पादन कम हुआ है। आंकड़ों के अनुसार, फरवरी 2025 में बिजली उत्पादन की ग्रोथ भी धीमी होकर 3.6 फीसदी रही। पिछले साल इसी महीने में यह 7.6 फीसदी थी। इसका मतलब है कि बिजली उत्पादन में भी ग्रोथ कम हुई है। वित्त वर्ष 2024-25 में अप्रैल से फरवरी के दौरान IIP में 4.1 फीसदी की ग्रोथ हुई। पिछले साल इसी अवधि में यह 6 फीसदी थी। इससे पता चलता है कि इस साल औद्योगिक उत्पादन में ग्रोथ की दर पिछले साल से कम है।

लगाते जाओ, लगाते जाओ... क्या 'मजाक' बन गई है अमेरिका-चीन के बीच टैरिफ की जंग

एजेंसी नई दिल्ली

चीन ने शुक्रवार को अमेरिका से आने वाले सामानों पर टैक्स 125% तक बढ़ा दिया। यह कदम अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के उस फैसले के जवाब में उठाया गया है जिसमें उन्होंने दुनिया की दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था पर ज्यादा टैक्स लगाने की बात कही थी। चीन ने ट्रंप की टैरिफ रणनीति को 'माजक' बताया। निवेशकों को यह जानने का इंतजार था कि ट्रंप के बुधवार को चीनी सामानों पर टैक्स को 145% तक बढ़ाने और अन्य देशों के सामानों पर 90 दिनों के लिए टैक्स रोकने की घोषणा पर चीन कैसे प्रतिक्रिया देगा। गुरुवार को युआन की कीमत वैश्विक वित्तीय संकट के दौरान के स्तर तक गिर गई थी। लेकिन, शुक्रवार को करेंसी थोड़ी सुधरी। चीन के वित्त मंत्रालय ने कहा कि अमेरिका का चीन पर बहुत ज्यादा टैक्स लगाना अंतरराष्ट्रीय आर्थिक और व्यापार नियमों का उल्लंघन है। यह बुनियादी आर्थिक सिद्धांतों और सामान्य समझ के खिलाफ है। एकतरफा दादागिरी और जबरदस्ती का काम है। अमेरिका और चीन के बीच टैरिफ पर खींचतान जारी है। इससे दोनों देशों के बीच व्यापार लगभग नामुमकिन हो सकता है। जानकारों का कहना है कि अगर आयात शुल्क 35% से ज्यादा हो जाता है तो चीन के निर्यातकों का मुनाफा खत्म हो जाएगा। इसी तरह अमेरिका के सामान भी चीन में बहुत महंगे हो जाएंगे। चीन के वित्त मंत्रालय ने यह भी कहा कि अगर अमेरिका और भी ज्यादा टैक्स लगाता है तो इसका कोई आर्थिक मतलब नहीं रह जाएगा। यह विश्व अर्थशास्त्र के इतिहास में एक मजाक के तौर पर याद किया जाएगा। मंत्रालय ने यह भी कहा कि अगर अमेरिका टैक्स के साथ नंबर गेम खेलता रहता है तो चीन जवाब नहीं देगा। हालांकि, चीन ने यह भी कहा कि वह दूसरे तरीकों से जवाब दे सकता है और अमेरिका से अंत तक लड़ेगा।

हनुमान जयंती पर पढ़ें बजरंग बली और शनि देव की ये कथा, संकटमोचक आपके कष्ट करेंगे दूर

हनुमान जयंती 12 अप्रैल शनिवार को मनाई जाएगी। मान्यता है कि चैत्र शुक्ल पूर्णिमा तिथि को माता अंजनी ने हनुमान जी को जन्म दिया था। इसलिए इस दिन हनुमान जयंती मनाई जाती है। रामजी के परम भक्त हनुमान जी की जयंती इस बार शनिवार को पड़ रही है। शनिवार का दिन शनि देव को समर्पित होता है। पौराणिक कथाओं में हनुमान जी और शनि देव का आमना-सामना होने और हनुमान जी द्वारा शनि देव को बचाने का जिक्र है। आइये जानते हैं इन दोनों कथाओं के बारे में। पौराणिक कथा के अनुसार, शनि देव अपनी शक्तियों के मद में चूर रहते थे। उन्हें लगता था कि उनकी शक्तियों के आगे किसी का बस नहीं चलता है। ऐसे ही एक बार वह जंगल से गुजर रहे थे तो उनकी नजर हनुमान जी पर पड़ी। हनुमान जी अपने प्रभु राम के ध्यान में लीन थे और उनकी नजर शनि देव पर नहीं पड़ी। कहा जाता है कि शनि देव ने हनुमान जी पर अपनी वक्र दृष्टि फेरी, लेकिन इसका उन पर कोई असर नहीं हुआ। इसके बाद शनि देव क्रोधित हो उठे। वह बार-बार हनुमान जी का ध्यान भंग करने की कोशिश करने लगे। हनुमान जी ने उन्हें संकेत देकर समझाया लेकिन वह नहीं माने। उन्होंने हनुमान जी की भुजा पकड़ ली, हनुमान जी अपनी भुजा छुड़ाई तो शनि देव ने दूसरी भुजा पकड़ ली। अंत में हनुमान जी ने दूसरी भुजा भी छुड़ाई और उनको अपनी पूंछ से बांध लिया। फिर उन्हें पूंछ में बांधकर इधर-उधर खूब पटका। इसके बाद अपने ध्यान में लीन हो गए। कहा जाता है कि जब हनुमान जी ध्यान से उठे और शनि देव को अपनी गलती का अहसास हुआ तो उन्होंने उनको अपनी पूंछ से छोड़ा। तब तक शनि देव घायल हो चुके थे और उन्हें कई सारी चोटें लगी थीं। इसके बाद शनि देव ने हनुमान जी से माफी मांगी और उनसे कहा, मैं आपको तो दूर, आपके भक्तों को भी कभी परेशान नहीं करूंगा। राम जी और हनुमान जी के कार्यों में कभी विघ्न नहीं डालूंगा। इसके बाद हनुमान जी ने शनि देव का माफ किया। तब शनि देव ने हनुमान जी से अपने जख्मों को भरने के लिए सरसों का तेल मांगा। इसके बाद हनुमान जी ने उन्हें सरसों का तेल दिया। तब से माना जाता है कि शनिवार के दिन शनि देव को तेल चढ़ाने से उनका आशीर्वाद मिलता है। पौराणिक कथा के अनुसार, रावण ने एक बार नवग्रहों को बंदी बना दिया था। तब सभी नवग्रह उसके कारागार में कैद थे और उसने शनि देव को अपनी शक्तियों से उल्टा लटका दिया था। कहा जाता है कि जब मां सीता की खोज में हनुमान जी लंका पहुंचे थे तो उन्होंने लंका दहन की लीला की थी। उनकी पूंछ से पूरी लंका जल गई थी। तब शनि देव को छोड़कर सभी ग्रह बचकर निकलने में सफल हुए थे, लेकिन उल्टा लटके होने की वजह से वह नहीं निकल पाए थे। हनुमान जी ने जब कारावास के पास से गुजरते समय शनि देव की कराह सुनी तो उन्होंने उनको बचाया। झुलसे हुए शनि देव के घावों पर उन्होंने सरसों का तेल लगाया। इससे शनि देव की पीड़ा कम हुई। इसलिए शनि देव को सरसों का तेल चढ़ाने की एक और मान्यता की शुरुआत मानी जाती है। माना जाता है कि शनि देव भी सरसों का तेल चढ़ाने वाले भक्तों की पीड़ा दूर करते हैं। जहां शनिवार का दिन शनि देव को समर्पित होता है, वहीं मंगलवार का दिन हनुमान जी का माना जाता है। इसलिए मंगलवार और शनिवार को शनि देव को सरसों का तेल चढ़ाने से दुख दूर होते हैं। वहीं राम और हनुमान भक्तों का शनि देव अनिष्ट नहीं करते हैं।

महाभारत में रणभूमि पर जाना चाहती थीं द्रौपदी, कुंती और गांधारी युद्ध के समय कहां रहती थीं

महाभारत के भीषण युद्ध में अनगिनत योद्धाओं की जान चली गई थीं लेकिन महाभारत के युद्ध में केवल योद्धाओं ने ही अपनी जान नहीं गंवाई बल्कि उनके परिवार ने भी बड़ा बलिदान दिया। महाभारत कथा के अनुसार एक तरफ जहां कुरुक्षेत्र की रणभूमि पर युद्ध चल रहा था, वहीं दूसरी तरफ योद्धाओं की मां, पत्नी, बहनें और संताने भी भय के साए में जीने को मजबूर थीं। कुरुक्षेत्र की रणभूमि पर लड़ने वाले कई योद्धा तो ऐसे थे, जिनके साथ उनका परिवार भी उनके शिविर में ही रहा करता था। महाभारत में हम कौरव और पांडव दोनों पक्षों के योद्धाओं के बारे में तो सुनते और पढ़ते हैं लेकिन ज्यादातर लोगों के मन में सवाल आता है कि महाभारत के युद्ध के समय द्रौपदी, कुंती और गांधारी कहां रहती थीं? आइए, जानते हैं इस सवाल का जवाब। पांडवों ने दुर्योधन सहित कौरवों से बातचीत करके समस्या का हल निकालने की कोशिश कई बार की। धर्मराज युधिष्ठिर भी युद्ध की स्थिति को टालना चाहते थे लेकिन दुर्योधन ने बिना किसी लोक-लज्जा के सभी के सामने कह दिया था कि वो पांडवों को एक सुई की नोंक बराबर जितनी जमीन भी नहीं देगा। इस बात को सुनकर श्रीकृष्ण अंदाजा लगा चुके थे कि पांडवों को न्याययुद्ध करना ही पड़ेगा। दुर्योधन बिना युद्ध के पांडवों को उनका अधिकार नहीं देगा। जब कुरुक्षेत्र की रणभूमि पर युद्ध लड़ा जाना तय हो गया, तो द्रौपदी ने भी रणभूमि पर जाने का हठ कर लिया। कुरुक्षेत्र की रणभूमि पर कौरव और पांडवों के बीच युद्ध लड़ा जाना तय हो गया, तो पांडव पूरी तैयारियों के साथ कुरुक्षेत्र में अपना शिविर लगाने की तैयारी करने लगे। पांडव को जाता देखकर द्रौपदी ने अर्जुन को रोककर कुरुक्षेत्र की रणभूमि पर साथ ले जाने की इच्छा व्यक्त की। द्रौपदी की विचित्र इच्छा को देखकर अर्जुन सोच में पड़ गए और उन्होंने इस बारे में धर्मराज युधिष्ठिर से सलाह लेने का मन बनाया। युधिष्ठिर ने द्रौपदी को समझाने का प्रयास किया लेकिन द्रौपदी नहीं मानीं। तब द्रौपदी ने युधिष्ठिर को अपनी प्रतिज्ञा के बारे में याद दिलाया। द्रौपदी ने धर्मराज युधिष्ठिर सहित पांचो पांडवों को याद दिलाया कि जब सभा में दुशासन द्रौपदी के केश खींचकर उसे घसीटते हुए लाया था, तो द्रौपदी ने सबके सामने प्रतिज्ञा ली थी कि वे अपने खुले हुए केश तब तक नहीं बांधेगी, जब तक वो अपने बालों को दुशासन के रक्त से नहीं सींचेगी। द्रौपदी के अलावा भीम ने भी प्रतिज्ञा ली थी कि दुर्योधन ने जिस जंघा पर द्रौपदी को बैठाने का आदेश दिया था, उस जंघा को तोड़कर उससे निकला रक्त पीकर ही शांत होगा। धर्मराज युधिष्ठिर को जब प्रतिज्ञाओं के बारे में स्मरण हुआ, तो वे द्रौपदी को अपने साथ कुरुक्षेत्र की रणभूमि पर लगे शिविर में ले गए। पूरे युद्ध में द्रौपदी पांडवों के शिविर में ही रहा करती थीं। कुरुक्षेत्र की रणभूमि पर जब युद्ध का आगाज हो गया, तो पूरा महल सूना हो गया। साथ ही राज्य से सारे योद्धा भी कुरुक्षेत्र की धरती पर प्रस्थान कर चुके थे। ऐसे में धृतराष्ट्र अकेले हो चुके थे। उनके अकेलेपन को देखते हुए कुंती और गांधारी ने हस्तिनापुर के राजमहल में रहने का ही निर्णय लिया। युद्ध की त्रासदी पर कुंती और गांधारी एक-दूसरे से अपना दुख बांटती थीं। कभी-कभी दोनों अपने पुत्रों से मिलने कौरव और पांडवों के शिविर में भी चली जाती थीं लेकिन सुरक्षा कारणों से दोनों को शिविर में लंबे समय तक रूकने की अनुमति नहीं दी गई थी।

सपने में छिपकली का दिखना शुभ है या अशुभ, जानें क्या है ऐसे सपनों का अर्थ, इन बातों से हो जाएं सावधान

सपनों पर किसी व्यक्ति का कोई नियंत्रण नहीं होता, बस कुछ सपने आने वाले समय का आईना माने जाते हैं। ऐसा ही एक सपना छिपकली से जुड़ा होता है। स्वप्न शास्त्र के अनुसार, छिपकली का सपने में दिखना शुभ नहीं माना जाता है। इसका मतलब है कि आने वाले समय में आपके जीवन में धन और करियर कारोबार से जुड़ी समस्याएं पैदा होने वाली हैं। आपका कोई काम बनते-बनते बिगड़ सकता है। सपने में छिपकली देखना अच्छा नहीं माना जाता है और यह बताता है कि आपके जीवन में कुछ परेशानी आ सकती है, लेकिन, यह इस बात पर निर्भर करता है कि आपने सपने में छिपकली को कैसे देखा है। तो आइए जानते हैं छिपकली से जुड़े अलग-अलग सपनों के अर्थ। सपने में छिपकली को कीट पतंगे मारकर उसका भोजन करते हुए देखना अच्छा नहीं माना जाता। स्वप्न शास्त्र कहता है कि ऐसा सपना आने पर आपको पैसों की दिक्कत हो सकती है। इसका मतलब है कि आपको आर्थिक संकट का सामना करना पड़ सकता है, इसलिए अगर आपको ऐसा सपना आए तो सावधान रहें और अपने खर्चों पर नियंत्रण करना शुरू कर दें। स्वप्न शास्त्र कहता है कि सपने में छिपकली को मारना अच्छा होता है, इसका मतलब है कि आपकी लाइफ में जो भी दिक्कतें चल रही हैं, वे अब खत्म होने वाली हैं। सपने में छिपकली को मारने का मतलब है कि आपके जीवन में चल रही परेशानियों का जल्द ही अंत होने वाला है। आपको समझने की आवश्यकता है कि अब आपके जीवन में चल रही समस्याओं का अंत होने वाला है। अगर आपको ऐसा सपना आता है, तो समझ लीजिए कि आपकी मुश्किलें कम होने वाली हैं। अगर आप सपने में छिपकली को घर में आते देखते हैं, तो यह एक चेतावनी है। इसका अर्थ है कि आपके या फिर आपके परिवार के ऊपर कोई बड़ी समस्या आने वाली है। ऐसे में आपको विशेष रूप से सावधान हो जाना चाहिए और घर व ऑफिस हर जगह अपने काम को बहुत ही सावधानी के साथ करना चाहिए। ऐसे सपने आकर आपको चेतावनी देते हैं। सपने में बहुत सारी छिपकलियां एक साथ देखना बहुत ही अशुभ माना जाता है। इसका अर्थ है कि आने वाले समय में बहुत सी समस्याएं आपके सामने एक साथ आ सकती हैं। आपको अपने कार्यक्षेत्र में वर्क प्रेशर और मानसिक तनाव का सामना करना पड़ सकता है। इन समस्याओं की वजह से आप आने वाले समय में कई बीमारियों से घिर सकते हैं। ऐसा सपना आने पर आपको हर काम सावधानी के साथ करना चाहिए। सपने में छिपकली से डरना या उसे भगाना शुभ माना जाता है। इसका मतलब है कि आप अपनी जिंदगी की परेशानियों को दूर करने में सफल होंगे। स्वप्न शास्त्र में ऐसा कहा गया है कि आप आपके जीवन में जिन समस्याओं को झेल रहे हैं उनका डटकर सामना करते हुए आप उनसे जल्द ही छुटकारा पाने वाले हैं। आपके जीवन में सुख बढ़ने के दिन आ गए हैं और आपकी समस्याओं का अंत होगा।

आर्थिक राशिफल : शनिवार को हस्त नक्षत्र में शनिदेव की कृपा से इन 5 राशियों की होगी जबर्दस्त कमाई

मेष राशि के लोगों के लिए मिलाजुला दिन रहेगा और आप अपने काम को सामान्य रूप से पूरा करते रहेंगे। आपकी परीक्षा का दौर चल रहा है, बेहतर होगा कि आप अपने काम में ज्यादा ध्यान दें। किसी कारण आज आपको खुद पर कंट्रोल करना पड़ सकता है। कई लोगों के लिए दिन भर आलस्य का माहौल रहेगा और कोई काम करने का मन नहीं करेगा। आपकी परेशानी का कारण छोटी मोटी टेंशन है। शाम को घर में अधिक समय बिताने से घरवालों को अच्छा लगेगा।

वृषभ राशि के लोगों का दिन काफी व्यस्तता से भरा होगा। दिन भर काफी बिजी शेड्यूल रहेगा। शाम तक अच्छी खबरें मिलेंगी और आप फायदे में भी रहेंगे। प्रफेशनल मामले में सावधानी बरतने से होने वाले नुकसान को बचाया जा सकता है। निवेश के मामले में आपको लाभ होगा। इसका फायदा उठाया जा सकता है। आपके लिए अवसरों में वृद्धि होगी और धन में वृद्धि होगी।

मिथुन राशि के लोगों के लिए दिन उत्सुकता से भरा होगा आपको कहीं से हर प्रकार का लाभ होने की उम्मीद है। दिन एक्साइटमेन्ट से भरा है और आपको फोन से कोई काम की जानकारी मिल सकती है। छात्र अपना अधिकांश वक्त अपनी पढ़ाई में लगाएंगे तो उन्हें फायदा होगा। बिजनस करने वाले लोग अपने धंधे मे नई तकनीकें अपना सकते हैं। उन्हें आगे बढ़ने के मौके हासिल होंगे।

कर्क राशि वालों के लिए दिन करियर के मामले में खास साबित हो सकता है और आपको धन लाभ होने के योग हैं। आपको किसी एक ही तरकीब पर काम करना काफी रहेगा। कोई रिस्क वाला कदम न उठाएं, तो आपके लिए अच्छा होगा। परिवार मे मौजूद आपके विरोधी फिलहाल कुछ समय तक सिर नहीं उठा पाएंगे। आपको हर मामले में लोगों का सहयोग प्राप्त होगा और आपके लिए धन वृद्धि के योग बने हैं।

सिंह राशि वालों के लिए करियर के मामले में दिन बहुत अच्छा बीतेगा। दिल में कोई बात या नया आइडिया हो तो फौरन आगे बढ़ें फायदा जरूर होगा। रिश्तेदारों से पुराने गिले शिकवे दूर करने का वक्त आ गया है। आपको उनकी मदद करनी पड़ सकती है या फिर आपको उनसे लाभ होगा। आपको दोस्तों के साथ रहने का फायदा होगा और आपके सम्मान में वृद्धि होगी। किसी कारण घरवालों से बहसबाजी होगी।

कन्या राशि के लोगों के लिए दिन काफी बिजी कर देने वाला होगा। सोचसमझकर और दिमाग से किए गए काम का फायदा होगा और इसकी खुशी होगी। पुराने समय से चली आ रही टेंशन भी कम होगी और कारोबार में आपको हर प्रकार का मुनाफा हासिल होगा। आप दूसरों की मदद करेंगे तो आपकी मदद करने वाले भी आएंगे। ईमानदारी से जो काम करेंगे वह फलदायक रहेगा और आपकी तरक्की होगी।

तुला राशि के लोगों के लिए दिन शुभ लाभ से भरा होगा और आपको फोन से कोई खुशखबरी मिलेगी। ऑफिस के साथी भी टीमवर्क से खुश होंगे। लेनदेन और बिजनस में खतरा हो सकता है। हेल्थ पर ध्यान देने की जरूरत है। रोमांस के मामले में भी आज अच्छा दिन है, खर्च जरूर थोड़ा बढ़ सकता है। आपको अपने काम को समय से पूरा करते हुए मेहनत करने की सलाह है। धन के मामले में लाभ होगा।

वृश्चिक राशि के लोगों को करियर में लाभ होगा और आपको दिन के पहले हिस्से में मेहनत कुछ ज्यादा ही करनी होगी। शाम तक मुनाफे के कई मौके आएंगे। घूमने फिरने के मौके जब भी आते हैं आप हमेशा तैयार रहते हैं। ऐसा ही मौका शाम को भी है। पार्टी में किसी अच्छे और असरदार लोगों से मेल मुलाकात होगी और कोई खास काम की चिन्ता भी खत्म होगी और आपके मान सम्मान में वृद्धि होगी।

धनु राशि के लोगों को करियर के मामले में लाभ होगा और कारोबार में आपकी सभी योजनाएं सफल होंगी। आपका टाइम अच्छा है इसका पूरा फायदा उठाएं। ऑफिस में साथियों से बहस में न उलझें। आपकी कई इच्छाएं आज पूरी होंगी। घूमने फिरने से कोई जरूरी कम बन सकता है। किसी अभियान में आपकी जीत हो सकती है। आपको फाइनेन्स से जुड़े काम में अनुभवी लोगों की सलाह से लाभ होगा।

मकर राशि के लोगों को हर काम बहुत ही सावधानी से करने की सलाह है। आपकी किसी से अनबन न हो इस बात का ध्यान रखें। कामकाज में आपकी स्थितियां बेहतर होंगी। बिजनस में मुनाफे की आशा रहेगी और शादीशुदा जिंदगी में भी कामयाब होगी। दिन भर काम करने लायक बहुत से काम हैं लेकिन किसे करना है और किसे नहीं यह आपको सोचना है। आपका दिन सफल होगा और योजनाएं सफल होंगी।

कुंभ राशि के लोगों के लिए करियर में लाभ का दिन है और आपको टीमवर्क का जज्बा दिखाने से लाभ होगा। ऑफिस में अपने साथियों के साथ मिलकर काम करने से अच्छे रिजल्ट मिलेंगे। बातचीत से कोई नया फायदे का आइडिया आ सकता है। दोस्त के लिए तोहफा खरीदते वक्त आपकी जेब का ख्याल रखें। आपके धन सम्मान में वृद्धि होगी और आपकी योजनाएं सफल होंगी।

मीन राशि के लोगो के लिए दिन सामान्य होगा। धीरे से आगे बढ़ने का ही फायदा हो सकता है। कोशिश जारी रखें तो अटके हुए काम भी बन जाएंगे। सतर्क होकर अपने काम में जुट जाएं शायद यह संघर्ष का आखिरी दौरा होगा। बाहर फिजूलखर्ची करने के बजाय घरवालों के साथ समय गुजारें क्योंकि आज आपके खर्च वैसे ही ज्यादा होंगे। आपके सभी प्रयास सफल होंगे।

मोबाइल की रिंगटोन पर मंत्र लगाना चाहिए या नहीं

आजकल काफी लोग अपने मोबाइल फोन के रिंगटोन पर कोई भक्ति का संगीत या मंत्र लगाकर रखते हैं। लेकिन जैसे ही वे फोन उठाते हैं, तो मंत्र या भजन बीच में ही अधूरा रह जाता है। इसे लेकर क्या आपके मन में यह विचार आया है कि मंत्र का बीच में ही बंद हो जाना सही है या नहीं। इसी सवाल का जवाब देते हुए पंडित राकेश झा ने जो कुछ बताया उसे जान लेने के बाद आपकी यह दुविधा दूर हो सकती है। पंडित राकेश झा ने बताया कि उनके फोन पर भी एक मंत्र 'ऊं कृष्णाय वासुदेवाय हरये परमात्मने' लगा हुआ है। यह कृष्ण भगवान का मंत्र है, जो उन्हें अच्छी तरह याद है। राकेश जी का मानना है कि रिंगटोन पर मंत्र या भजन लगाने में कोई बुराई नहीं है। जब भी उनके फोन पर यह मंत्र बजता है, तो उनका मन और दिमाग शांत होकर पूरा ध्यान उस मंत्र पर चला जाता है। इससे उन्हें तनाव मुक्त महसूस होता है। राकेशजी को यह मंत्र पूरा याद है, जिसके चलते वह इस मंत्र को अपने मन में बोलकर

पूरा कर लेते हैं और बहुत अच्छा अनुभव करते हैं। रिंगटोन पर मंत्र लगाने से पहले जानें ये जरूरी बातें अगर कोई व्यक्ति अपनी रिंगटोन पर मंत्र की जगह भजन लगाता है और वह गीत उन्हें पूरी तरह याद है, तो उसे प्रयोग करने में कोई परेशानी नहीं है। राकेश जी के मुताबिक, जब हमें कोई मंत्र या भजन पूरी तरह आता हो और हम उसे सुनने के बाद आप अपने मन में पूरा कर लें, तभी उस मंत्र या भजन को अपने फोन की रिंगटोन पर लगाना चाहिए। अगर आपको मंत्र नहीं आता है और उसका अर्थ भी आप नहीं जानते हैं, तो इसे केवल शौक के लिए अपने फोन की रिंगटोन पर नहीं लगाना चाहिए। ऐसा करने से आपके जीवन पर नकारात्मक प्रभाव पड़ सकता है। साथ ही, अशुभ फल की प्राप्ति भी हो सकती है। रिंगटोन पर मंत्र के कुछ शब्द सुनकर पूरा मंत्र मन में बोलना उसी प्रकार है जिस तरह पंडित शुरू के कुछ शब्द बोलते हैं और हमें आगे का पूरा मंत्र खुद बोलना होता है।

गायत्री महायज्ञ के समापन में पहुंचे केंद्रीय राज्य मंत्री

संपूर्ण दुनिया में सद्बुद्धि की कमी -केंद्रीय राज्य मंत्री

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

घोड़ाडोगरी ब्लॉक के सांसद आदर्श ग्राम कान्हावाडी में आयोजित पंच कुंडीय गायत्री महायज्ञ एवं श्रीमद् प्रज्ञा पुराण कथा के समापन कार्यक्रम में बेतूल हरदा हरसूद क्षेत्र के सांसद एवं केंद्रीय राज्य मंत्री दुर्गादास उइके पहुंचे। यज्ञ में उन्होंने आहुतिया अर्पित की और आरती में शामिल हुए। इस अवसर पर उन्होंने अपने उद्बोधन में कहा कि कान्हावाडी को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कैंसर की दवा के लिए पहचान दिलाने में बाबूलाल भगत जाने जाते हैं। उन्होंने आगे बताया कि गायत्री मंत्र जपने से व्यक्ति की अकाल मृत्यु नहीं होती है सिद्धियां मिलती हैं ।विकास की शुरुआत व्यक्ति से होती है उन्होंने कहा कि प्रतिदिन 10 मिनट अपने बारे में सोचे अपनी कमियों को दूर करके अच्छाइयों को अपनाये। ऐसा करने से स्वयं का विकास जनता का विकास होता है।स्वयं का जागरण जनता का जागरण है। उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान परिवेश में दुनिया में सद्बुद्धि की कमी है। घर के मुखिया को देखकर ही बच्चों में सुधार होता है।शरीर चुंबक से भरा हुआ है जो जैसा सोचते हैं वापस आता है । इस अवसर पर मध्यप्रदेश के पूर्व संसदीय सचिव रामजीलाल उइके ने कहा कि मोदी जी के मंत्रियों की टीम में बैतूल जिले को प्रतिनिधित्व मिला है यह हमारे लिए गर्व की बात है। कार्यक्रम में नरेंद्र उइके,भागवत तुमराम,कस्तूरी उइके,दीपक उइके,राजेंद्र मालवीय,प्रशांत गावंडे,रविशंकर पारखे, डॉ मनोज पाटनकर,वासुदेव नागले, खेमराज पवार,राम शंकर गोहे, कमलेश परते द्वारा किया गया। परिवार को आगे बढ़ाने में गांव की विशेष भूमिका निभाने वाली महिलाएं सरस्वती परते,रामरति भूरेलाल,नरबदी किशन वरकडे का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में आए अतिथियों का आभार व्यक्त करने का कार्य नरेंद्र उइके द्वारा किया गया।

13 करोड़ के घोटाले में जिला पुलिस की करवाई न्याय संगत नहीं - इंडियन नेशनल ट्रेड यूनियन कांग्रेस इंटक

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

बैतूल जिले के भीमपुर और चिचोली ब्लॉक में स्वच्छ भारत अभियान में 13 करोड़ 21 लाख 71 हजार रुपए का भ्रष्टाचार किए जाने का मामला प्रदेश स्तर पर गुजारा है और इस मामले को लेकर कांग्रेस के माध्यम से भी विरोध किए जाने का कार्य किया जा रहा है।उसके बाद भी जिला पुलिस प्रशासन के माध्यम से 13 करोड़ 21 लाख 71 हजार रुपए का भ्रष्टाचार करने वाले दस आरोपियों की संपत्ति अभी तक कुर्की नहीं की गई है और ना ही 10 आरोपियों कि गिरफ्तार हो पाई है। इंडियन नेशनल ट्रेड यूनियन कांग्रेस इंटक के राष्ट्रीय सचिव राजेश सिंह ने आरोप लगाते हुए कहा कि जिला प्रशासन की कार्रवाई पक्षपातपूर्वक दिखाई दे रही है,
उन्होंने कहा कि करोड़ो के फर्जी भुगतान पर खुलासा होने के बाद पुलिस विभाग द्वारा प्राथमिक दर्ज कर जांच की कार्रवाई को आगे बढ़ते हुए,पुलिस कप्तान ने स्पेशल टास्क फोर्स का गठन किया तथा आरोपियों को चिन्हित कर उनकी गिरफ्तारी के लिए टीम रवाना की गई लेकिन इस पूरे प्रकरण में जिस तरह से लोक धन की बंदर बांट हुई है,और साइबर अपराध भी सम्मिलित है। ऐसे गंभीर विषय पर कप्तान द्वारा अभी तक के फरारियों पर किसी तरह का ना तो इनाम की राशि घोषित किया गया है और ना ही उनकी संपत्ति को कुर्क करने का आदेश जारी किया गया है।वहीं दूसरी ओर सारनी थाना क्षेत्र के बहु चर्चित मामले में अपने आप को अवैध पिस्तौल से गोली मारकर आत्महत्या में कप्तान द्वारा तीव्रता दिखाते हुए न सिर्फ आरोपियों की संपत्ति कुर्क करने का नोटिस चस्पा किया गया था। बल्कि उन पर फरार होने पर उन्हें इनामी भगोड़ा घोषित करते हुए बीस हजार रुपए की बड़ी धनराशि इनाम के रूप में घोषित कर दिया गया लेकिन 27 पंचायतों के उक्त मामले मे तेरह करोड़ से अधिक के लोक धन के आर्थिक अपराध मामले में कप्तान और उनके माध्यम से गठित की गई स्पेशल टास्क फोर्स ने कोई ऐसी तीव्रता नहीं दिखाई है। आखिर ऐसा दोहरा मापदंड क्यों जिससे कि कप्तान द्वारा इस आर्थिक अपराध के मामले में जो कि लोक धन की लूट हुई है।

संपूर्ण क्षेत्र में आज हर्ष उल्लास के साथ हनुमान जयंती मनाई जाएगी, मंदिरों में रंग रोगन की तैयारी लगभग पूरी

दैनिक कारखाने का सफर। सारनी

शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में हनुमान जयंती मनाई जाने की तैयारी लगभग पूरी हो गई है। शहरी और ग्रामीण क्षेत्र के लोगों के माध्यम से इस बार हनुमान जयंती का कार्यक्रम भव्य और बड़े रूप से मनाए जाने की तैयारी की जा रही है। ग्राम पंचायत सलैया के बैकुंठ धाम आश्रम,पंचमुखी हनुमान मंदिर, बगडोना के शिव धाम, रेस्क्यू के हनुमान मंदिर, शिव शक्ति आश्रम सहित क्षेत्र के प्रसिद्ध हनुमान मंदिर लाखा बंजारा पर भी विशाल भंडारे के साथ कई धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा और प्रतिवर्ष हनुमान जयंती के अवसर पर यहां पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन भी होता चला आ रहा है। शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में हनुमान जयंती के पावन अवसर पर विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा शहरी और ग्रामीण क्षेत्र में हनुमान जयंती के अवसर पर भंडारे को लेकर लगभग पूरी तैयारी की जा चुकी है। राह चलते लोगों को रोककर भंडारे का आयोजन किया जाएगा और हनुमान जी की जयंती के अवसर पर प्रसादी वितरण की जाएगी आयोजन समिति के पदाधिकारी ने शहरी और ग्रामीण क्षेत्र के लोगों से अपील की है कि भंडारे के कार्यक्रम में अधिक से अधिक संख्या में उपस्थित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देवे।

पूजा पर गए थे परिजन, घर में लटका मिला जवान बैतूल में होमगार्ड सैनिक ने की खुदकुशी, पुलिस बोली-दो दिन पुराना हो सकता है शव

दैनिक कारखाने का सफर। बैतूल

कमलसिंह तंवर, मृतक

बैतूल के सांसद सुविधा केंद्र में पदस्थ 35 वर्षीय होमगार्ड जवान कमल सिंह अंतरसिंह तंवर का शव उनके किराए के घर में फांसी पर लटका मिला। घटना के समय मृतक के परिजन खंडवा के छैगांव में पूजा कार्यक्रम में गए हुए थे। घटनास्थल पर पुलिस को कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। मृतक कमल सिंह पिछले कुछ समय से सदर क्षेत्र की न्यू इंदिरा कॉलोनी में धर्मेंद्र विश्वकर्मा के मकान में किराए से रह रहे थे। होमगार्ड की सब इंस्पेक्टर सुनीता पंद्रे ने बताया कि मृतक पत्नी सोनू चौहान लगातार उनसे संपर्क करने की कोशिश कर रही थीं, लेकिन कॉल रिसीव नहीं कर रहे थे। परेशान होकर उसने मकान मालिक को फोन लगाया। जब मकान मालिक ने घर पर जाकर देखा तो दरवाजे के नीचे से खून बह रहा था। दरवाजा तोड़कर अंदर देखा तो कमल का शव बच्चे के झूले की रस्सी से फांसी पर लटका मिला। जिसके बाद पड़ोसियों ने पुलिस और होम गार्ड के अधिकारियों को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस और होम गार्ड के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे। फोरेंसिक टीम ने मौके का मुआयना किया और शुरुआती जांच में अनुमान लगाया कि शव दो दिन पुराना हो सकता है। गर्मी के कारण शव डिकंपोज होने लगा था, जिससे शरीर से खून रिसने लगा था। कमल की शादी करीब छह साल पहले सोनू चौहान से हुई थी। उनके एक बेटे की मौत पहले ही हो चुकी है, जबकि वर्तमान में उनका एक चार साल का बेटा है और पत्नी गर्भवती हैं। होम गार्ड विभाग के अधिकारियों का कहना है कि कमल एक बेहद कर्मठ, मिलनसार और खुशमिजाज जवान थे। आत्महत्या जैसा कदम उठाना उनके स्वभाव से बिल्कुल विपरीत है। घटना की जांच कर रहे उप निरीक्षक नरेंद्र ठाकुर ने बताया कि मामले की गहराई से जांच की जा रही है। फिलहाल मौके से कोई सुसाइड नोट नहीं मिला है। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत का सही कारण और समय स्पष्ट हो सकेगा।

महिला कांग्रेस की चेतावनी- अत्याचार नहीं रुके, तो करेंगे आंदोलन बैतूल में महिलाओं अपराध और सुरक्षा को लेकर कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

दैनिक कारखाने का सफर। बैतूल

बैतूल में महिला कांग्रेस ने महिलाओं और बच्चियों की सुरक्षा को लेकर शुक्रवार को मुख्यमंत्री के नाम कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा है। महिला कांग्रेस ने कहा कि पिछले 15 वर्षों से भाजपा सरकार में महिलाओं की सुरक्षा की स्थिति लगातार बिगड़ती जा रही है। जिला महिला कांग्रेस की शहर अध्यक्ष मोनिका निरापुर ने बताया कि महिलाओं के खिलाफ अपराधों में मध्य प्रदेश देश में पहले स्थान पर है। महिला कांग्रेस ने मुख्यमंत्री से महिलाओं और बच्चियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है। संगठन ने चेतावनी दी है कि अगर अत्याचार नहीं रुके तो वे जनआंदोलन करेंगे। ज्ञापन में बताया गया कि प्रदेश में महिलाओं और मासूम बच्चियों के साथ दुष्कर्म और उत्पीड़न की घटनाएं लगातार बढ़ रही हैं। संगठन ने इन घटनाओं को समाज और मानवता के लिए कलंक बताया है। इस मौके पर महिला कांग्रेस की जिला अध्यक्ष (ग्रामीण) पुष्पा पेंद्राम, श्रद्धा करोले, भगवती घोरमाडे, सरस्वती निरापुरे, मोनू बडोनिया और पार्षद संतोष दीवान उपस्थित थे।

मुलताई के गेहूंबरसा में 5 जुआरी गिरफ्तार शमशान घाट के पास सरपंच और ग्रामीण खेल रहे थे, एक आरोपी फरार

दैनिक कारखाने का सफर। मुलताई

मुलताई पुलिस ने अवैध जुआ गतिविधियों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। पुलिस को सूचना मिली कि ग्राम गेहूंबारसा के शमशान घाट के पास गांव के सरपंच सहित कुछ लोग जुआ खेल रहे हैं। सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने मौके पर दबिश दी। पुलिस को देखकर आरोपी भागने लगे। पुलिस ने घेराबंदी कर 5 आरोपियों को पकड़ लिया। एक आरोपी गोलू कवनपुरे मौके से फरार हो गया। पकड़े गए आरोपियों में सरपंच फगनु मसराम (38), विशाल पदाम (25), राजकुमार लांझीवार (35), अंकुश साहू (32) और शेषू सिरसाम (40) शामिल हैं। पुलिस ने मौके से 2,330 रुपये नकद और 52 ताश पत्ते जब्त किए। श्मशान घाट के पास मुर्गों की लड़ाई करवाई जाती है,जिससे बड़ी संख्या में लोग जमा होते हैं। वहीं पर फड लगाकर हार जीत का दाव खेला जाता है,जिस पर मुलताई पुलिस ने दबिश देकर कार्रवाई की है। पुलिस ने सभी आरोपियों के खिलाफ जुआ अधिनियम की धारा 13 के तहत मामला दर्ज कर लिया है। फरार आरोपी की तलाश जारी है। यह कार्रवाही पुलिस अधीक्षक निश्चल झारिया और अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक कमला जोशी के निर्देशन में की गई। थाना प्रभारी देवकरण डेहरिया के नेतृत्व में पुलिस टीम ने यह सफल कार्रवाई की।

विधायक ने दिव्यांगों को बांटी इलेक्ट्रिक साइकिल मुलताई में बोले- केंद्र और प्रदेश सरकार सभी वर्गों के कल्याण के लिए काम कर रही

दैनिक कारखाने का सफर। मुलताई

मुलताई में शुक्रवार को जनपद पंचायत परिसर प्रभातपट्टन में कार्यक्रम किया गया। इस दौरान विधायक चंद्रशेखर देशमुख ने दिव्यांगजनों को इलेक्ट्रिक साइकिल और अन्य सहायक उपकरण वितरित किए। विधायक देशमुख ने कार्यक्रम में कहा भाजपा की केंद्र और प्रदेश सरकार सभी वर्गों के कल्याण के लिए काम कर रही है। यह कार्यक्रम एडिप और वायोश्री योजना के तहत एलिम्को द्वारा कराया गया। इस पहल से दिव्यांगजन और वरिष्ठजनों को जीवन में आवश्यक सहयोग मिलेगा। कार्यक्रम में प्रभातपट्टन जनपद पंचायत अध्यक्ष सोनाली विनोद पटेल मौजूद रहीं। भाजपा वरिष्ठ नेता राजेश पाठक, जनपद पंचायत सदस्य नितेश काले, उमेश बामने और विनोद पटेल भी उपस्थित थे। कार्यक्रम में अन्य भाजपा कार्यकर्ता और ग्रामीण भी शामिल हुए।

मुलताई में कच्चे मकान में लगी आग घरेलू सामान और स्कूटी जलकर राख 2 लाख का नुकसान

दैनिक कारखाने का सफर। मुलताई

पट्टन चौकी क्षेत्र के पाबल गांव में शुक्रवार को दुर्गा कवानपुरे के कच्चे मकान में अचानक आग लग गई। घटना के समय परिवार के सभी सदस्य बाजार गए हुए थे। मकान में रखी घरेलू सामग्री, बैटरी स्कूटी, गेहूं और सोयाबीन के बोरे जलकर राख हो गए। फायर ब्रिगेड की टीम समय पर पहुंच गई। टीम के ड्राइवर धनराज पवार, गिरीश पिपले और भूपेंद्र सिंह राठौर ने तत्परता दिखाते हुए आग पर काबू पाया। उनकी सूझबूझ से पास रखे घरेलू गैस सिलेंडर, अन्य कच्चे मकान और जानवरों का कोठा बच गया। आग से लगभग दो लाख रुपए की संपत्ति का नुकसान हुआ है। आग लगने के कारणों का अभी पता नहीं चल पाया है। दमकल कर्मियों ने बताया कि आज इतनी भयंकर थी कि आग बुझाने में 2 घंटे का समय आग बुझाने में लग गया।

पेट्रोलपंप पर सिगरेट पीने से मना करने पर मारा चाकू बैतूल में युवकों ने पंप संचालक-भतीजे पर किया हमला नागपुर रेफर, आरोपी फरार

दैनिक कारखाने का सफर। बैतूल

बैतूल के एक पेट्रोल पंप पर सिगरेट पीने से मना करने पर दो युवकों ने पंप संचालक सहित दो लोगों को चाकू मार दिया। हादसे में पंप संचालक का भतीजा गंभीर घायल हो गया जिसे देर रात नागपुर रेफर किया गया है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपियों की पहचान कर उनकी तलाश कर रही है। जानकारी के अनुसार, नगर के कालापाठा स्थित पेट्रोल पंप पर गुरुवार रात पंप संचालक निशांत तिवारी (55) और उनके भतीजे हनी उर्फ पूर्वांश (30) को तीन युवकों ने चाकू से घायल कर दिया। युवक पेट्रोल भरवाने आए और पंप पर सिगरेट पीने लगे। इस दौरान संचालक ने सुरक्षा नियमों का हवाला देकर उन्हें रोका। इस पर युवकों ने पहले विवाद किया और फिर चाकू से हमला कर दिया। इस घटना में पंप संचालक निशांत और उनके भतीजे हनी को गंभीर चोट आई। मौके पर मौजूद लोगों ने दोनों को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां से भतीजे पूर्वांश को हालत गंभीर होने पर उन्हें नागपुर रेफर किया गया है। स्थानीय लोगों ने बताया कि हमलावर बाइक से आए थे और वारदात के बाद फरार हो गए। इस घटना से क्षेत्र में दहशत का माहौल है। लोगों ने दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

जिला अस्पताल में युवक की मौत के बाद हंगामा बैतूल में आईसीयू के बाहर परिजनों ने की तोड़फोड़ पुलिस ने दर्ज किया मामला

दैनिक कारखाने का सफर। बैतूल

बैतूल जिला अस्पताल में गुरुवार देर रात एक दुर्घटनाग्रस्त युवक की मौत के बाद परिजनों ने जमकर हंगामा किया। मिलनपुर निवासी दिलीप यशवंत राव को सड़क हादसे के बाद गंभीर हालत में अस्पताल लाया गया था। गंभीर स्थिति को देखते हुए युवक को आईसीयू में भर्ती किया गया। रात करीब 11 बजे उपचार के दौरान उसकी मृत्यु हो गई। इस पर परिजन आक्रोशित हो गए। उन्होंने अस्पताल स्टाफ पर लापरवाही का आरोप लगाया। आईसीयू के बाहर तोड़फोड़ कर अस्पताल की संपत्ति को नुकसान पहुंचाया। सूचना मिलते ही बैतूल कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने स्थिति को नियंत्रण में लिया। डॉक्टरों की शिकायत पर तोड़फोड़ करने वाले परिजनों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया गया है। अस्पताल प्रबंधन ने बताया कि स्टाफ ने अपनी पूरी क्षमता से मरीज का इलाज किया। परिजनों का हिंसक व्यवहार न केवल अस्पताल की व्यवस्था को बल्कि अन्य मरीजों की सुरक्षा को भी प्रभावित करता है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक मधुवर मोहन द्विवेदी द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस, 11 प्रेस काम्पलेक्स, एमपी नगर जोन-1 भोपाल 462023 म.प्र. से मुद्रित एवं 201 ब्लाक ई, सागर प्रीमियम टावर जेके हॉस्पिटल, कोलार रोड, भोपाल म.प्र. से प्रकाशित। (सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल न्यायालय रहेगा) संपादक- सुनील यादव, समाचार संपादक- राहुल कौशिक। फोन नं. 0755-4262585-9425006706, मो. नंबर 9826697203, 9926288166, RNI.No. MPHIN/2020/78949